दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 170 मुरादाबाद, 09 October 2023 (Monday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

उन्होंने मेरी दुनिया उजाड़ दी, अब किसके लिए जिंदा रहूं; तबाही का मंजर देख फूट-फूटकर रोया देवेश

भारी सुरक्षा के बीच सत्यप्रकाश दूबे का बेटा देवेश घर पहुंचा। घर की दहलीज में पैर रखते ही देवेश फूट-फूट कर रोने लगा। उसकी चीत्कार से वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। बोला- हत्यारों ने मेरी दुनिया ही उजाड़ दी। अब किसके लिए जिंदा रहूं।देवरिया के रुद्रपुर कोतवाली के फतेहपुर सामूहिक हत्याकांड में माता-पिता, दो बहनों और एक भाई को खो चुका सत्यप्रकाश का बड़ा बेटा देवेश शनिवार को घटना के छह दिन बाद अपने घर पहुंचा। घर की दहलीज में पैर रखते ही फूट-फूट कर रोने लगा। उसकी चीत्कार से वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। मकान की ओर बढ़ते समय उसके कदम लड़खड़ा जा रहे थे। घर की हालत देख सिर वह सिर पकड़कर बैठ गया। बोला- हत्यारों ने मेरी दुनिया ही उजाड़ दी। अब किसके लिए जिंदा रहूं। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे किसी तरह संभाला। मकान के अंदर भाई गांधी के कपड़े बिखरे पड़े थे। कपड़ों को सीने से लगाकर देवेश चिल्लाने लगा। रोते हुए कहा- गांधी जयंती के दिन पैदा हुआ था मेरा भाई दीपेश, इसीलिए सभी उसे गांधी बुलाते थे। जन्मदिन के दिन ही उसकी हत्या हो गई। हत्यारों ने मासूम भाई-बहनों की जान लेते समय भी क्रूरता की सीमा लांघ दी। घर में मां का बॉक्स और बहनों का सामान बिखरा था। हमलावरों ने पांच लोगों की हत्या के बाद कटरेन के मकान को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। करीब एक घंटे तक मकान पर रहने के बाद देवेश अपनी मां का बॉक्स लेकर देवरिया लौट गया। भारी सुरक्षा के बीच पुलिस की जीप में देवेश को उसके घर लाया गया था। मकान की हालत देखकर वह कुछ बोलने की हालत में नहीं रह गया था। अपने घर से जाते समय भी देवेश पुलिस की जीप में हाथों से मुंह को ढंककर रो रहा था।

बदरीनाथ के बाद बाबा केदार के दर्शन को पहुंचे योगी, ब्रह्म कपाल में किया पितृ तर्पण

भगवान बदरी विशाल के दर्शन करने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम नहीं पहुंच सके थे। वह सीधे बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गए। सीएम योगी का कार्यक्रम शनिवार को केदारनाथ में रात्रि विश्राम का था, लेकिन दोपहर बाद पूरी घाटी में कोहरा छा गया, जिससे उनका हेलिकॉप्टर बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गया। आज रविवार सुबह बदरीनाथ के ब्रह्म कपाल तीर्थ में पितृ तर्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केदारनाथ पहुंचे। शनिवार को योगी आदित्यनाथ का केदारनाथ आने का कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री के केदारनाथ धाम में आगमन को लेकर प्रशासन, पुलिस, बीकेटीसी द्वारा सभी तैयारियां की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक चौबंद किया गया। सीएम योगी के स्वागत के लिए कई भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी भी केदारनाथ पहुंच गए, लेकिन मौसम ने सभी को निराश कर दिया।दोपहर तक यहां कई हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी, लेकिन करीब ढाई बजे मौसम खराब हो गया। सीएम की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें बदरीनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। बदरीनाथ धाम दर्शन के बाद सीएम योगी आज रविवार सुबह केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचे। इससे पहले सीएम योगी शनिवार को भारत- तिब्बत सीमा माणा पास बार्डर घसतोली में सेना के जवानों के बीच गए थे।उन्होंने बदरीनाथ धाम में निर्माणाधीन यूपी भवन का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति जानी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग को कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बदरीनाथ धाम में सिविल हेलीपेड के समीप करीब 11 करोड़ की लागत से यूपी भवन का निर्माण किया जा रहा है। वर्ष 2020 के नवंबर माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही धाम में पहुंचकर भवन का शिलान्यास किया था। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मौके पर जाकर कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलास्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

वायु सेना दिवस पर एयर फोर्स में अग्निवीरों का पहला बैच व महिला अग्निवीर हुए शामिल

भारतीय वायु सेना को 91वीं वर्षगांठ पर नया ध्वज मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्रीय मंत्री अमित शाह रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वायु सेना दिवस पर वायु सेना को बधाई दी। वहीं आज प्रयागराज में वायु सेना दि?वस पर एयर शो का आयोजन किया गया है। बता दें कि यह बदलाव 72 वर्ष बाद किया गया है। वायु सेना की 91वीं वर्षगांठ पर रविवार को एक और नया अध्याय जुड़ गया है। आज भारतीय वायुसेना को नया झंडा मिला है। यह बदलाव 72 वर्ष बाद किया गया है। वायु सेना अध्यक्ष चीफ एयर मार्शल वीआर चौधरी ने परेड के दौरान झंडा बदलने के साथ वायु योद्धाओं को शपथ भी दिलाई। वायु सेना दिवस के अवसर पर वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए

एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य ने बल को स्वदेशी क्षमता विकसित करके आयात पर निर्भरता कम करने का अवसर प्रदान किया है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने विकसित होती वायु शक्ति की बारीकियों को समझने, शांति बनाए रखने की गति निर्धारित करने और यदि आवश्यक हो, तो युद्ध लड़ने और जीतने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और भारतीय वायुसेना को अपने रास्ते में आने वाली सभी नई चुनौतियों का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि इस जटिल और गतिशील रणनीतिक माहौल में, हमारी रणनीति को परिष्कृत करना, मजबूत सर्वांगीण क्षमताओं का निर्माण करना और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भविष्य के युद्धों पर मुकदमा चलाने के लिए एक लचीली मानसिकता विकसित करना निर्णायक साबित होगा। उन्होंने कहा, वायु और अंतरिक्ष बल बनने की हमारी खोज में, हमें अंतरिक्ष क्षेत्र के महत्व को पहचानना चाहिए और अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास जारी रखना चाहिए। वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि वायु सेना बल को उभरते खतरों और

चुनौतियों से आसानी से निपटने में सक्षम बनाने के लिए नवाचार हमारे डीएनए का हिस्सा होना चाहिए। हमें अपने संचालन, प्रशिक्षण, रखरखाव और प्रशासन के हर पहलू में खुद को उच्चतम मानकों पर रखना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी और नवाचार में अग्रणी बनने का प्रयास करना चाहिए। हमें तकनीकी श्रेष्ठता बनाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान, विकास और अधिग्रहण में निवेश करना चाहिए। नवाचार इसे हमारे डीएनए का हिस्सा बनना चाहिए, जिससे हम उभरते खतरों और चुनौतियों से आसानी से निपट सकें। परिवर्तन के लिए किसी भी बाधा का स्पष्ट रूप से आकलन करने और उसे संबोधित करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, उन्होंने कहा कि संयुक्त योजना और युद्ध शक्ति का एकीकृत अनुप्रयोग भविष्य के युद्धों के लिए अपरिहार्य होगा। उन्होंने कहा, अद्वितीय रणनीति विकसित करना, यथार्थवादी प्रशिक्षण करना और सीखे गए प्रासंगिक पाठों को शामिल करना बहुत मददगार होगा। उन्होंने कहा, मल्टी-डोमेन ऑपरेशन से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक, वायु सेना को यह पहचानने की जरूरत है कि आधुनिक युद्ध पारंपरिक सीमाओं से परे है। हमें युद्ध क्षेत्र पर हावी होने के लिए वायु, अंतरिक्ष, साइबर और जमीनी क्षमताओं को सहजता से एकीकृत करना होगा।% उन्होंने कहा कि पिछले नौ दशकों में, भारतीय वायुसेना लगातार विकसित हुई है और दुनिया की सबसे बेहतरीन वायु सेनाओं में से एक में तब्दील हो गई है। लेकिन क्या यह पर्याप्त है? यदि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तो 2032 में जब हम 100 वर्ष पूरे करेंगे, तब तक भारतीय वायुसेना को सर्वश्रेष्ठ में से एक होना चाहिए।

100 साइबर अटैक, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के सवाल पर दिया यह जवाब

कोच्चि में आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट तकनीक में साइबर हमलों की संभावना बहुत अधिक है। साइबर आरोपी अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और चिप का उपयोग करते हैं। हालांकि, इसरो ऐसे हमलों से निपटने के लिए तैयार है। साइबर क्राइम इन दिनों काफी चर्चा में है, जिससे अब इसरो भी अछूता नहीं रहा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ का कहना है कि देश की अतंरिक्ष एजेंसी हर रोज करीब 100 से अधिक साइबर हमलों का सामना कर रही है। केरल में अंतरराष्ट्रीय साइबर सम्मेलन का 16वां संस्करण आयोजित किया गया। कोच्चि में आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट तकनीक में साइबर हमलों की संभावना बहुत अधिक है। साइबर आरोपी अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और चिप का उपयोग करते हैं। हालांकि, इसरो ऐसे हमलों से निपटने के लिए तैयार है। हम मजबूत साइबर सुरक्षा नेटवर्क से लैस हैं। इसरो रॉकेट के अंदर हार्डवेयर चिप्स की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। इसके लिए वह विभिन्न परीक्षणों पर आगे बढ़ रहा है।

अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा इसरो

अगले 20 से 25 वर्ष में भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित कर सकता है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने यह खुलासा किया। उन्होंने चीनी मीडिया सीजीटीएन से बातचीत में कहा कि गगनयान मिशन भारत देश को अंतरिक्ष में मानव भेजने की क्षमता देगा। इसके सफल होने के बाद इसरो अंतरिक्ष स्टेशन बनाने पर ज्यादा केंद्रित होकर काम करेगा। इसरो की योजना है कि भारत के पास अपना अंतरिक्ष स्टेशन हो। सोमनाथ के अनुसार, इसका निर्माण अगले 20 से 25 साल में विभिन्न चरणों में पूरा कर लिया जाएगा। शुरुआत में यह रोबोट संचालित होगा। मानव को अंतरिक्ष में भेजने की बेहतर क्षमताएं हासिल होने पर इसे मानव संचालित करेंगे, यहां अंतरिक्ष यात्रियों को भी रखा जाएगा। वहीं, इस बीच गगनयान व अन्य मिशन के जरिये मानव को अंतरिक्ष में भेजने, उन्हें लंबे समय अंतरिक्ष में रखने की क्षमताएं हासिल की जाएंगी। सोमनाथ ने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन हमारी अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद हो, इस पर इसरो चर्चा कर रहा है। चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग के बाद इसरो से अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। इसी वजह से गगनयान पर काम हो रहा है, भारतीय स्पेस स्टेशन बनाने पर चर्चा चल रही है। भविष्य के लिए उन्नत चंद्र अभियानों, अंतरिक्ष की बेहतर जानकारियां हासिल करने और नई तकनीकें आजमाने पर भी काम हो रहा है।

चंद्रयान-3 की सफलता से बढ़ी खगोल विज्ञान में रुचि

सोमनाथ ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष व खोज अभियानों में काफी रुचि रखते हैं, इस क्षेत्र में हो रहे कामों की बारीकियों पर उनकी नजर होती है। चंद्रयान-3 से देश में वैज्ञानिक भावना का प्रचार-प्रसार हुआ। युवा उत्साहित होकर खगोल विज्ञान क्षेत्र में आ रहे हैं। इससे खगोल विज्ञान के लिए एक बड़ा टैलेंट पूल बनाने में मदद मिलेगी, जो हमारे काम को आगे बढ़ाएगा। पूरा देश चंद्रयान-3 की सफलता से उत्साहित है। हमने इस पूरी तरह भारतीय मिशन को बेहद कम लागत पर अंजाम दिया।

चीन को भी सराहा

सोमनाथ ने कहा कि चीन ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, नई प्रणालियां व तकनीकी क्षमताएं हासिल करने और नए अभियान भेजने पर अच्छा काम किया। वह आगे बढ़ने के लिए सोच रहा है, लंबे समय की योजनाएं बना रहा है, इसकी सराहना होनी चाहिए। चीन में उद्योग भी अंतरिक्ष क्षेत्र को योगदान दे रहे हैं।

'अभी लोगों को नाराज करने का खतरा नहीं उठा सकती शिंदे सरकार', टोल टैक्स बढ़ने पर मनसे प्रमुख

मनसे प्रमुख ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। उनके सामने टोल वृद्धि और राज्य के लोगों के सामने आ रही अन्य परेशानियां रखेंगे। इन सभी मुद्दों पर सीएम के बात की जाएगी। लोगों को अपने हक के लिए विद्रोह करना चाहिए। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम ने मुंबई की सीमाओं पर मौजूद टोल बूथों पर एक अक्तूबर से टोल टैक्स बढ़ा दिया है। इसका महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता विरोध कर रहे हैं। पार्टी के नेता अविनाश जाधव चार दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। ऐसे में, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने जाधव से मुलाकात की। साथ ही कहा कि वह इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे।मनसे प्रमुख ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। उनके सामने टोल वृद्धि और राज्य के लोगों के सामने आ रही अन्य परेशानियां रखेंगे। इन सभी मुद्दों पर सीएम के बात की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिवसेना-भाजपा गठबंधन ने अपने चुनावी घोषणापत्र में महाराष्ट्र को टोल मुक्त बनाने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया गया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि शिंदे ने पहले टोल के संबंध में अदालत में एक याचिका दायर की थी, जिसे बाद में वापस ले लिया था। उन्होंने महाराष्ट्र सीएम से सवाल किया कि उन्होंने किसके निर्देश पर याचिका वापस ले ली थी? मनसे नेता ने लोगों से अपने हक के लिए विद्रोह करने को कहा। उन्होंने कहा कि लोग आगे आएंगे तभी सरकार को उसकी गलतियों को एहसास होगा। ठाकरे ने कहा, %सत्तारूढ़ पार्टी को यह ध्यान रखना चाहिए कि चुनाव पास ही हैं। ऐसे में आम नागरिकों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकती। सत्तारूढ़ पार्टी चुनावों के दौरान जो भी वादा करती है, वह एक धोखा है। नागरिकों को अपने मत का प्रयोग करते समय इसका एहसास होना चाहिए।

संपादकीय Editorial

Rambabu is a sports hero

On Thursday, October 5, many such spectators were seated on the set of 'Kaun Banega Crorepati', who were wearing uniforms like cricket team India. The ICC World Cup of One Day Cricket has started in India. The audience in the studio was also chanting 'Bharatvarsh hamara hai'. We love the extreme passion towards cricket. The countrymen also look at cricket from the dimension of religion and nation, but this attachment, craze and love seems incomplete because the 'Asian Games' are going on in Hangzhou, China. Many unknown, unpopular players from India have set records at the international level. History is being written continuously. Till Thursday evening, India has won a total of 86 medals by winning 21 gold, 32 silver and 33 bronze medals. Right now we have to get gold or silver in sports like cricket, hockey, kabaddi, badminton, chess and wrestling etc. In the 2018 Jakarta Asian Games, India had achieved the feat of winning a total of 70 medals including 16 gold medals. By increasing that record to 86 medals, India has proved its sporting skills better. Of course cricket is a game of wealth and prosperity. Our top players have annual packages of over Rs 7 and Rs 5 crore. Even juniors are given a package of more than Rs 1 crore. Then IPL contracts worth lakhs and crores of rupees are also available. We are just quoting the example of runner Rambabu here. He has been a MNREGA labourer. Became a waiter in the hotel and also kept washing utensils. Who knows what he might have done in his struggle to survive against poverty? He had to buy running shoes with his labor money. That player won the bronze medal for India in the 35 kilometer walking race in the Asiad. Certainly Rambabu is the national hero of India. Some such faces are those of players like Avinash Sable, Murali Srishankar, archer Ojas, wrestler Anant Panghal etc., whose sports achievements are unmatched. They are India's medal-winning warriors, but the headlines that cricketers from Rohit Sharma, Virat Kohli to Siraj have received are very brief for these medal-winning players. Many poor and unknown faces have returned as millionaires and millionaires from the stage of 'Kaun Banega Crorepati'. Crores of people are associated with this game and keep testing their knowledge and their luck, hence linking cricket with India on such a platform and not even taking the names of the medal-winning players…this stings and hurts a patriotic citizen. Although let us make it clear that we are 'obsessive lovers' of cricket and have been continuously analyzing its achievements and defeats, but a player like Rambabu has an unmatched record, whom people can consider as their 'ideal' in the times to come.Odisha is one of the poorest states in the country, but the teenager Jena once surprised everyone by leaving behind even international superstar Neeraj Chopra in a javelin throw competition. Ultimately, Neeraj became the gold medal winner by throwing the javelin this year's best performance of 88.88 meters, but Jena also won the silver medal by covering a distance of more than 87 meters. This is the first time in Indian sports history that Indians have won both the first positions and both the medals in the Asian Games. The country also knows little about Jena, but she is emerging as an alternative to Neeraj. How much coverage has been given in the media. However, the Garib government has announced to give him Rs 1.5 crore. Of course, the face, style and identity of sports in India have changed a lot. Players are being prepared on government financial assistance. They are sent abroad for training and the expenses are borne by the government. The infrastructure of sports is also changing completely, but India is currently ranked fourth in Asia, so the performance in the Olympics.

Swaminathan laid the foundation of modern and progressive agriculture, PM said - farmer lived in his heart

Five decades after the revolutionary changes began, Indian agriculture has become more modern and progressive than ever before but the foundation laid by Professor Swaminathan can never be forgotten… Professor MS Swaminathan is no longer among us. The country has lost a visionary who brought revolutionary changes in India's agricultural sector. His contribution will be written in golden letters. Swaminathan wanted our country and farmers to live a prosperous life. He was academically brilliant and could have opted for any career, but was so moved by the Bengal famine of 1943 that he resolved to transform the agricultural sector. At a very young age, he came in contact with Dr. Norman Borlaug and understood his work deeply. In the 1950s, he declined a request to join a faculty in the United States. In the two decades after independence, we were facing many challenges and one of them was food shortage. In the early 1960s, India was suffering from famine. Meanwhile, the strong commitment and vision of Professor Swaminathan ushered in a new era in the agriculture sector. His pioneering work in specific areas such as agriculture and wheat breeding led to a significant increase in wheat production. The result of such efforts was that India became a self-sufficient nation in grains. Because of this brilliant achievement, he got the title of 'Father of the Indian Green Revolution'. The Green Revolution reflects India's spirit of "nothing is impossible". If there are crores of challenges before us, there are also crores of talented people lighting the flame of innovation to overcome those challenges. Five decades after the Green Revolution began, Indian agriculture has become more modern and progressive than ever before. But, the foundation laid by Professor Swaminathan can never be forgotten. Professor Swaminathan had also done effective research towards dealing with pests affecting potato crops. His research also enabled potato crops to withstand cold weather. Today, the world is talking about millets or green gram as a super food, but Professor Swaminathan had been promoting millets since the 1990s. In 2001 I took over as the Chief Minister of Gujarat. Then drought, cyclone and earthquake had badly affected the development journey of the state. In the same period, we had initiated the Soil Health Card, to help farmers understand the soil better and solve the problems accordingly. In this connection I met Professor Swaminathan. He gave his valuable suggestions. This scheme marked the beginning of the success of the agricultural sector in Gujarat. During my tenure as Chief Minister and even after I assumed the post of Prime Minister, our talks continued. I met him at the International Agro-Biodiversity Congress in 2016 and in 2017, I launched a book series written by him. According to the book 'Kural', farmers are the axis around which the whole world revolves. It is the farmers who support everyone. Pro. Swaminathan understood this principle very well. He was a true farmer scientist, that is, a farmer's scientist. The farmer lived in his heart. Swaminathan laid great emphasis on improving the lives of small farmers and extending the benefits of innovation to them. He was especially dedicated to improving the lives of women farmers. There is another aspect to Swaminathan's personality. He promoted innovation and conservation. When he received the first World Food Prize in 1987, he used the prize money to establish a non-profit research foundation. He nurtured countless talents and instilled in them a passion for learning and innovation. Swaminathan was a stalwart who had decided early in his life that he would strengthen agriculture and serve the farmers. He fulfilled this resolution in a very creative manner and with passion. His contributions to agricultural innovation and sustainability will continue to inspire and guide us. We must continue to reiterate our commitment to their principles. These include advocating for the interests of farmers, harnessing scientific innovation to the roots of agricultural expansion and promoting growth, stability and prosperity for future generations.

'Today's Ibsen', woven into the Norwegian background, language and nature, which very few people read

He was driving when he got the news of the award. According to Nobel Committee Chairman Anders Olsson, Fosse's work is intertwined with his Norwegian background, language and nature. Born on 29 September 1959 in Norway, Yvon Fosse is influenced by Samuel Beckett and August Stringberg. Comparing him to Ibsen, he is called 'today's Ibsen'. This time the Nobel Prize for Literature (2023) has been given to Norwegian writer Yvonne Fosse 'for his innovative plays and prose that give voice to the untold.' Norway. He is the fourth writer to receive this important award. Before Yon Fosse, Bionsten Bionson (1903), Knut Hamsun (1920), Sigrid Undset (1928) have received the Nobel Prize. At the time of receiving the award, Yon Fosse was in Norway. Were. Yvon Fosse, who writes in the Norwegian Nynorsk language, received a lifetime home in the premises of the Royal Palace in Oslo's city center from the Norwegian state in 2011. He has received this under the Grotten honour. It is awarded by the King of Norway for contributions to Norwegian art and culture. A work by Knut Hamsun (1859–1952) named 'Bhukh' has been translated into Hindi by Teji Grover, which has come out from Vani Prakashan, and Vijay Sharma has written on the entire work of Sigrid Undset (1882–1949) which It is compiled in the book 'Women, Literature and Nobel Prize', which has been published by Bharatiya Jnanpith and whose second edition has come in the market. John Fossey has received the Nobel Prize for 2023, one of his works has been translated by Teji Grover in 2016 named 'Aag Ke Paas Alis Hai Yeh' which has come from Vani Prakashan. I have not read the translation, perhaps it is a translation of 'Alice at the Fire'. When the prize was announced he was driving - When he got the news of the prize he was driving. In a telephone interview immediately after the announcement, he told Manisha that he was very happy. When he returned home, hundreds of congratulatory e-mails were waiting for him. He told that one e-mail was very touching. According to a Greek reader, he is alive only because of his work. If she had not read his plays, she would have committed suicide. In fact, this is a huge achievement for a writer. To start reading them, he took the name of his novel 'Morning and Night'. But I found this novel called 'Morning and Evening', translated by Damion Searles, who has also translated many of his other works. When he writes, he is in another world. Her message to those who started writing was that she wrote in her own language, not in imitation of anyone else. Norwegian society organizes literary events every year in this writer's honour. Famous literary and art connoisseur Prayag Shukla ji, who has visited Norway several times, observed that every year a literary festival is organized for him there, in which his plays are staged and his poems are recited. Earlier he was writing a lot of poems. However, the Nobel Committee has only mentioned the words plays and prose. He has a poetry collection named 'Collected Poems', which includes 'Angel with Watery Eyes', 'The Movements of the Dog', 'Dog and Angel', 'Eyes in the Wind' and 'New Poems'. According to the Economic Times, John Fossey is a master of minimalism. He has received an amount of 11 million kronor in this award. Thousands of his plays have been staged in the world and his prose has also received recognition. Before the announcement of Nobel, when I had written an article in Amar Ujala making predictions, in it I had quoted Alex Shepherd, who had been making predictions for years and was right many times, and John Fosse's name was in his predicted list for this year. And that's when I started paying attention to this author. Some of his books – 'Melancholy 1-2', 'I am the Wind', 'Alice at the Fire', 'Scenes from a Childhood' etc. are in my library. These are the names of the books - The names of his other books available in English are 'The Girl on the Sofa', 'Nightsongs', 'Plays One, Two, Three, Four, Five, Six', 'The Dead Dogs', Morning and Avenging', 'Boathouse', 'Septology Series', An Angel Walks Through the Stage: And Other Essays', 'A Shining'. Apart from poems, he has written about 40 plays, stories, articles and works for children. Yvon Fossey has also done translation work. He was also a literary consultant for the re-translation of the Bible into Norwegian. His own work has been translated into 50 languages. According to Nobel Committee Chairman Anders Olsson, Fosse's work is intertwined with his Norwegian background, language and nature. Born on 29 September 1959 in Norway, Yvon Fosse is influenced by Samuel Beckett and August Stringberg. Comparing him with Ibsen, he is called 'today's Ibsen'. His first novel 'Red, Black' came in 1983 but according to him, his literary career started with his story 'He' published in the student newspaper. 'Red, Black' moves through multiple times and multiple perspectives. His novel 'Weirness' was published in 2014. When they are writing well, they clearly feel that what I am writing has been written. That is, they have to write it down before it disappears. When Prayag Shukla ji went to the building of the Norwegian Writers' Association in Oslo, he saw that there was a cafe there, and In B's shop, Yvonne Fosse's books were neatly arranged on the shelves. That area is very peaceful and green, this author lives nearby. Apart from Nobel, John Fosse has received many major awards. According to a survey, only 7% people have read them, 92% people have not. He was less read in America, but will now be read widely. One benefit of the Nobel Prize is that it increases the number of readers. They say in 'Nightsongs', 'Can you be happy, when you're unhappy.' Now he won't have much reason to be unhappy. He himself has said that he is happy to receive the Nobel Prize. Congratulations to him on receiving the Nobel Prize..! Before the announcement of Nobel, when I had written an article in Amar Ujala making predictions, in it I had quoted Alex Shepherd, who had been making predictions for years and was right many times, and John Fosse's name was in his predicted list for this year. And that's when I started paying attention to this author. Some of his books – 'Melancholy 1-2', 'I am the Wind', 'Alice at the Fire', 'Scenes from a Childhood' etc. are in my library. These are the names of the books - The names of his other books available in English are 'The Girl on the Sofa', 'Nightsongs', 'Plays One, Two, Three, Four, Five, Six', 'The Dead Dogs', Morning and Avenging', 'Boathouse', 'Septology Series', An Angel Walks Through the Stage: And Other Essays', 'A Shining'. Apart from poems, he has written about 40 plays, stories, articles and works for children. Yvon Fossey has also done translation work. He was also a literary consultant for the re-translation of the Bible into Norwegian. His own work has been translated into 50 languages. According to Nobel Committee Chairman Anders Olsson, Fosse's work is intertwined with his Norwegian background, language and nature. Born on 29 September 1959 in Norway, Yvon Fosse is influenced by Samuel Beckett and August Stringberg. Comparing him with Ibsen, he is called 'today's Ibsen'. His first novel 'Red, Black' came in 1983 but according to him, his literary career started with his story 'He' published in the student newspaper. 'Red, Black' moves through multiple times and multiple perspectives. His novel 'Weirness' was published in 2014. When they are writing well, they clearly feel that what I am writing has been written.

कपूर कंपनी पुल बंद होने पर शिवसैनिकों ने जताई नाराजगी, डीआरएम का पुतला फूंका

मुरादाबाद- शिवसेना के मंडल प्रमुख डॉ. रामेश्वर दयाल तुरैहा के नेतृत्व में शिव सैनिकों ने कपूर कंपनी पुल से आवागमन बंद करने से लोगों की हो रही परेशानी पर जुलूस निकाल कर नाराजगी जताई। उत्तर रेलवे के डीआरएम का पुतला दहन किया।

मंडल कार्यालय गायत्री नगर, लाइनपार से केल्टन हाई स्कूल, चिड़िया टोला होते हुऐ कपूर कंपनी चौराहा तक शिवसैनिकों ने जलूस निकाला। इसमें कपूर कंपनी पुल चालू करने व कपूर कंपनी पर अंडर पास बनाने की मांग को लेकर मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद (उ.रे.) का कपूर कंपनी चौराहे पर पुतला फूंका। जिला प्रमुख गुड्डू सैनी ने कहा कि लाइनपार की लाइफ लाइन कपूर कंपनी का पूल लगभग एक साल से बंद है। इससे सरकारी व प्राइवेट कर्मचारियों, अधिवक्ताओं को लोकोशेड के पुल से कई किलोमीटर लंबा रास्ता तय कर जाना पड़ता है। जिसमें समय व पैसा दोनों अधिक लगता है। जनहित की इस प्रमुख समस्या पर किसी भी जनप्रतिनिधि व अधिकारी का ध्यान नहीं है। चेतावनी दी कि यदि कपूर कंपनी पुल से आवागमन शुरू नहीं हुआ तो अगली बार महाप्रबंधक उत्तर रेलवे के आने पर उनका पुतला दहन करेंगे। पुतला दहन के दौरान भवानी सेना की जिला अध्यक्ष ठाकुर मंजू राठौर, महानगर प्रमुख मनोज ठाकुर, युवा जिला प्रमुख अंकित ठाकुर, युवा महानगर प्रमुख राकेश प्रजापति, जिला उप प्रमुख कुशल सिंह, जिला सचिव विजय सेठ, राकेश कठेरिया, कपिल सैनी, बबिता सैनी, राजबाला कश्यप, इंद्रावती कश्यप, सरोज देवी, राहुल सागर, ओमप्रकाश सैनी, प्रमोद सागर आदि मौजूद रहे।

महिलाओं का पीछा करने वाले ने की छेड़छाड़, समझौते का झांसा देकर मारापीटा...आठ लोगों को किया नामजद

मुरादाबाद- घर से बाहर खेत-खलिहान या शौच के लिए जाने वाली महिलाओं को ताड़ने और उनका पीछा करने वाले के विरुद्ध एक पीड़िता ने मूंढापांडे थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें आरोपी रामेश्वर समेत आठ लोगों को नामजद किया है। महिला का आरोप है कि खेत में रामेश्वर ने उससे छेड़छाड़ की तो बचाव में उसने उस पर दराती (हंसिया) से वार कर दिया था और घर भाग आई थी। उसने रामेश्वर की पत्नी व घर वालों से घटना बताई। उसी शाम आरोपी के घर से पीड़िता के जेठ को समझौता कर लेने को फोन आया तो वह आरोपी के घर अकेले ही चले गए थे, जहां आरोपियों ने पीड़िता के जेठ को मारा। यही नहीं गंदे आरोप भी मढ़कर पुलिस बुला ली थी। पुलिस ने पीड़िता के जेठ का शांति भंग में चालान किया था। पीड़िता ने बताया कि इस मामले में उसने मूंढापांडे थाने में तहरीर दी थी लेकिन, उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। फिर उसने डाक के माध्यम से एसएसपी को शिकायत भेजी। निराशा मिलने पर उसने कोर्ट का सहारा लिया। जिस पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर थानाध्यक्ष ने शनिवार रात में रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें रामेश्वर व उसकी पत्नी कोमल, रामगोपाल, निर्वल, शौविन व जीतू, भोला उर्फ सुनील व जतीन नामजद हुए हैं। ये सभी दौलारी गांव के रहने वाले हैं। पीड़िता ने थानाध्यक्ष को बताया है कि 24 अगस्त के दिन पहले आरोपी रामेश्वर ने दोपहर तीन बजे उसके साथ खेत में छेड़छाड़ की और फिर उसी रात 10.30 बजे समझौता का झांसा देकर घर में बुलाकर उसके जेठ को मारा। पीड़िता का कहना है कि गांव की औरतें जब खेत पर जाती हैं तो रामेश्वर उनका पीछा करता है। इसी तरह उसके साथ ही आरोपी कई दिनों से पड़ा था। पीड़िता का लगातार पीछा कर रहा था। इस मामले में पीड़िता ने रामेश्वर की पत्नी कोमल व अपने घर की महिलाओं से की थी। घटना के दिन दोपहर तीन बजे वह खेत में चारा काट रही थी, उसी समय रामेश्वर पीछे से आकर मुंह दबा लिया और छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता दराती से वार कर अपने को बचाने में सफल हुई और शोर मचाते हुए घर की तरफ भाग आई। घर में आपबीती सुनाई। फिर शाम को जब उसके घर के लोग मजदूरी कर लौटे तो हाल जानकर वह लोग रामेश्वर के घर जाकर उसकी पत्नी कोमल, भाई रामगोपाल से बताया। हालांकि रामगोपाल ने उन लोगों से भाई के कृत्य को जानकर शर्मिंदगी जताई और हाथ जोड़कर माफी भी मांगी थी। इसके बाद रात 10.30 बजे पीड़िता के जेठ के मोबाइल पर आरोपी रामेश्वर की पत्नी कोमल ने फोन कर समझौता कर लेने को घर में बुलाया था। उस वक्त पीड़िता का जेठ कहीं रास्ते में था, वह घर लौट रहा था। घर आने से पहले वह रामेश्वर के ही घर पहुंच गया। वहीं उसके जेठ की जमकर पिटाई की। उसका मोबाइल व 800 रुपये भी छीन लिए। आरोप है कि उलटे कोमल परिजन के बचाव में पीड़िता के जेठ पर गंदे आरोप लगाए और पुलिस को बुला लिया। फिर पुलिस ने पीड़िता के जेठ का शांति भंग में चालान कर दिया था। इस मामले में मूंढापांडे थाना प्रभारी दीपक मलिक का कहना है कि घटना उनकी जानकारी में नहीं थी। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है। अब संबंधित आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

चिकित्सकों ने की शिविर में 177 मरीजों की निशुल्क जांच, वृद्धाश्रम में ग्रेंड पैरेट्स डे भी मनाया गया

मुरादाबाद- रोटरी क्लब मुरादाबाद समर्पण की ओर से विश्नोई धर्मशाला में रविवार को चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सकों ने 177 मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। उनको निशुल्क दवा भी वितरित की गई। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गोपेश मेहरोत्रा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमकुम मेहरोत्रा, बालरोग विशेषज्ञ डॉ. शिवांक माहेश्वरी व डॉ. रोहित खुराना, फिजिशियन डॉ. एसके जैन, डॉ. अरिहंत जैन ने 177 मरीजों की जांच कर निशुल्क दवा भी दी। शिविर में 21 मरीजों को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चिह्नित किया गया। इनका निशुल्क आपरेशन क्लब की ओर से कराई जाएगी। क्लब की अध्यक्ष अंजली शर्मा जी ने बताया कि आगे भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में सुबोध भारद्वाज, अनामिका भारद्वाज, राजीव गुप्ता, छवि गुप्ता, विक्रम रस्तोगी, प्रमित सिंघल, सुनील महेश, रामरतन शर्मा, गौरव सक्सेना, राजीव अग्रवाल, निखिल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

इजरायल-फिलिस्तीन तनाव से कारोबारी चिंतित, रूस-यूक्रेन युद्ध से भी कारोबार हुआ था प्रभावित

मुरादाबाद- इजरायल-फिलिस्तीन के बीच तनाव बढ़ने से भारत के साथ ही मुरादाबाद के पीतल व अन्य धातु कारोबारियों की चिंता बढ़ती दिख रही है। कारोबारी इजरायल में अपना कारोबार प्रभावित होने की संभावना जता रहे हैं। हालांकि इजरायल को माल की सप्लाई होती है। लेकिन यहां निर्मित उत्पादों की सीधे सप्लाई इजरायल को न होना बताया जा रहा है। फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास के लड़ाकों ने शनिवार सुबह इजरायल पर हमले किए। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी पर हवाई हमले किए। इन हमलों में दोनों देशों के कई सौ लोगों की मौत हो गई। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमलों की निंदा करते हुए इजरायल के साथ खड़ा होने की बात कही। साथ ही इजरायल में रह रहे भारतीयों को सुरक्षित रहने के लिए कहा। इससे यहां के कारोबारी भी चिंतित - नजर आए। डिजाइनको के मालिक विभोर गुप्ता और मार्क इंपैक्स यूनिट के मालिक सुहेल ने बताया कि इजरायल में युद्ध शुरू होने से जिले के धातु कारोबार पर असर पड़ेगा। लेकिन, वह बहुत अधिक नहीं होगा। चूंकि जिले की धातु निर्माता यूनिटों से इजरायल में सीधे कारोबार काफी कम है। लेकिन, यहां से यूएसए में पर्याप्त कारोबार है। यूएसए के माध्यम से मुरादाबाद में निर्मित धातु उत्पाद इजरायल में सप्लाई होते हैं। एक निर्यात ने बताया कि जिले से इजरायल के लिए सीधे धातु कारोबार माह में अधिकतम 20 करोड़ का होता है। उपायुक्त उद्योग योगेश कुमार ने बताया कि इजरायल में युद्ध शुरू होने का असर मुरादाबाद के धातु कारोबार पर दिखेगा। लेकिन, यह प्रभाव बहुत कम रहेगा। उन्होंने बताया कि जिले से आयरन व अन्य धातुओं से निर्मित सामान का विदेश में 11-12 हजार करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर है। इसमें 70 प्रतिशत से अधिक पीतल की धातु से निर्मित होने वाले सामान होते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में जिले का वार्षिक टर्नओवर 11,337 करोड़ रुपये का हुआ था। रूस और यूक्रेन में युद्ध होने के कारण मुरादाबाद का कारोबार भी प्रभावित हुआ था। इस बीच पिछले वित्तीय वर्ष में वार्षिक टर्नओवर 10 हजार करोड़ रुपये रह गया था। उन्होंने बताया कि जिले में मेटल से निर्माण वाली 39000 इकाईयां स्थापित हैं। ये वह उद्योग हैं जो पंजीकृत हैं। धातु कारोबार से जुड़े लोग बताते हैं कि जिले में धातु से बने तमाम तरह के बर्तन, डिजाइनदार और पूजन धातु सामग्री वाले बर्तनों की सप्लाई इजरायल में भी होती है। वहां यहूदी समुदाय को कैंडल स्टैंड (मिनोरा) खास तौर से भाता है।

डीएम-एसएसपी ने चौकीदारों को समझाई भूमिका, सहयोग से रोक सकते हैं घटना

मुरादाबाद- कोई भी घटना रोकने के लिए चौकीदारों की सबसे बड़ी भूमिका हो सकती है। इसलिए थानेदार और स्टॉफ का चौकीदारों से सामंजस्य जरूरी है। ये बातें शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हेमराज मीना ने बिलारी थाने में कहीं। उन्होंने चौकीदारों से कहा कि पुलिस आपके सहयोग से घटनाओं को रोक सकती है और अपराधों में कमी लाने में सफल हो सकती है। इसलिए अपराध से जुड़ी कोई सूचना छिपाए नहीं और न ही उसे बताने में देर करें, तत्काल बीट सिपाही-दरोगा या थानाध्यक्ष को सूचित करें। डीएम-एसएसपी ने थाने में बने सीसीटीवी डिस्प्ले कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया। चौकीदारों से संवाद कर उन्हें वस्त्र और टॉर्च भेंट कीं। अधिकारियों ने ऑपरेशन त्रिनेत्र में गांव-कस्बों में जरूरत वाले स्थानों पर जन सहयोग से सीसीटीवी कैमरों को लगवाने के लिए आग्रह भी किया। जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को तीन मंजिला बैरक निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखने की हिदायत दी है। उन्होंने चेताया भी कि निर्माण में कहीं कोई लापरवाही सामने आती है तो वह संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करेंगे। उधर, अधिकारियों से सम्मान पाकर गदगद चौकीदारों ने कहा, वे अपने क्षेत्र की हर संदिग्ध सूचना बीट सिपाही से लेकर थानाध्यक्ष तक से साझा करेंगे, चौकीदारों ने बताया कि उनके गांवों में जमीन-जायदाद से जुड़े मामले भी रहते हैं। इसको लेकर भी लोग झगड़ते हैं। एसएसपी ने चौकीदारों को भरोसा दिया कि उनकी हर सूचना को गोपनीय रखा जाएगा। कहा कि चौकीदार थाने पर आवागमन बनाए रखें। इस मौके पर एसपी देहात संदीप कुमार मीना, सीओ डॉ. अनूप सिंह भी थे।

जीर्णोद्धार कराया, शुरू हो रहा बैरक निर्माण

बिलारी थानाध्यक्ष ने बताया कि थाने में थानाध्यक्ष, महिला डेस्क, आगंतुक कक्ष आदि सभी अनुभाग वाले भवन को जीर्णोद्धार कराया गया है। थाने के पीछे तीन मंजिला बैरक बननी शुरू हो रही है। बेसमेंट तैयार हो रहा है। इस बैरक के बनने के बाद पुलिसकर्मियों के लिए आवासीय समस्या समाप्त हो जाएगी।

367 कैमरा और 50 की कनेक्टिविटी संग डिस्प्ले

थानाध्यक्ष अमित कुमार तोमर ने बताया कि थाने में सीसीटीवी कैमरों के डिस्प्ले की तीन बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। प्रत्येक स्क्रीन पर नौ सीसीटीवी कैमरों का डिस्प्ले हो रहा है। इस तरह 27 कैमरों का एक साथ डिस्प्ले संचालन शुरू हो गया है। इसी में कुल 50 कैमरों के डिस्प्ले के लिए कनेक्टिविटी कराई गई है। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में अब तक कुल 367 सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि थाना क्षेत्र में कुल 87 ग्राम पंचायतें हैं और इनमें राजस्व गांवों को जोड़कर कुल 134 गांव हैं। इनमें कुल 89 चौकीदार नियुक्त हैं, जो अपराध रोकने में पुलिस का सहयोग कर रहे हैं।

वृद्धाश्रम में मनाया ग्रेंड पैरेट्स डे

मुरादाबाद। ऑल इंडिया गोल्डन लायनेस क्लब मुरादाबाद आर्यन की ओर से रविवार को बुद्धि विहार में स्थित वैदिक वानप्रस्थ आश्रम (वृद्धाश्रम) में बड़े ही हर्षोल्लास से ग्रेंड पैरेट्स डे मनाया गया।क्लब की ओर से आश्रम में तौलिये, टूथपेस्ट, टूथब्रश, तेल,साबुन,फल, बिसकुट,नमकीन व अन्य जरूरत का सामान भेंट किया गया। क्लब की अध्यक्ष नीता भटनागर,सचिव भावना जैन व कोषाध्यक्ष रति रस्तोगी ने सब के मनोरंजन के लिए सुंदर गेम्स व हाउजी का आयोजन किया। प्रोत्साहन स्वरूप आश्रम के प्रत्येक सदस्य को कमेटी चेयर पर्सन सारिका अग्रवाल ने अपनी ओर से उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर क्लब फाउंडर सुदेश आर्य, सिमरन, डॉक्टर अनुपमा मिश्रा ,रोली गुप्ता, नीतू गुप्ता, सुमन विश्नोई, ऊषा रस्तोगी आदि मौजूद रही।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़,पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

पत्नी ने घर में बुलाए थे भाई और उसके दोस्त, ड्यूटी से आते ही पति ने दरवाजा खोला तो जमकर हुई पिटाई

मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाले बैंक कैशियर ने अपनी पत्नी और उसके भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें कैशियर ने बताया कि पत्नी ने अपने भाइयों को बुलाकर उस पर हमला कराया है। जालौन जनपद इंद्रा नगर ऊरई निवासी देवेंद्र कुमार केनरा बैंक की केनरा बैंक की सिरसखेड़ा शाखा में कैशियर के पद पर तैनात हैं। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। देवेंद्र कुमार अपनी पत्नी सपना वर्मा और पांच वर्षीय बेटी के साथ मझोला के लाइन पार चाऊ की बस्ती में रहते हैं। देवेंद्र ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे पत्नी ने अपने भाई सुनील वर्मा को बुला रखा था। घर का दरवाजा खोलते ही जालौन के ऊरई निवासी सुनील वर्मा, उसका दोस्त पंकज पांचाल और दो अज्ञात लोग घर में घुस आए। आरोपियों ने हॉकी और लात घूंसों से उन्हें बुरी तरह पीटा। आरोप है कि धारदार हथियार से भी हमला किया गया। देवेंद्र के शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए। इसके बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पत्नी सपना वर्मा, साले सुनील वर्मा, पत्नी के दोस्त पंकज पांचाल और दो अज्ञात के खिलाफ मारपीट, धमकी देने और एसपी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

तमंचा लेकर घूमता मिला जिला बदर बदमाश

सिविल लाइंस पुलिस ने जिला बदर आरोपी रिजवान उर्फ रियाज को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। अगवानपुर के मोहल्ला कुरैशियान निवासी रिजवान उर्फ रियाज के खिलाफ गोकशी में कार्रवाई की थी। इसके बाद गैंगस्टर एक्ट में भी उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। जिला प्रशासन ने आरोपी रिजवान उर्फ रियाज को 23 अगस्त 2023 को जिला बदर कर दिया था। इस आदेश के अनुसार आरोपी जिले की सीमा के अंदर नहीं रह सकता था। इसके बावजूद आरोपी अपने घर पर ही रह रहा था। शुक्रवार रात पुलिस ने आरोपी रिजवान उर्फ रियाज को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हिंदी की लोकप्रियता में मुंशी प्रेमचंद का अविस्मरणीय योगदान-उपमेंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। साहित्यिक संस्था-कवि गोष्ठी आयोजन समिति के तत्वावधान में महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद जी की 87 वीं पुण्यतिथि पर स्थानीय पांचालपुरी में योगेश जौहरी के संयोजन में सरस काव्य गोष्ठी एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता साहित्यकार रणधीर प्रसाद गौड़ धीर ने की। मुख्य अतिथि विशिष्ट बचपन पत्रिका की संपादक राज बाला धैर्य रहीं तो वहीं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवि डॉ. शिव शंकर यजुर्वेदी रहे। संचालन गीतकार उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने किया। माँ शारदे एवं मुंशी प्रेमचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया माँ शारदे की वंदना बृजेंद्र तिवारी अकिंचन ने प्रस्तुत की। कवि गोष्ठी में कवियों ने मुंशी प्रेमचंद को याद किया और अपनी रचनाओं के माध्यम से उनका गुणगान किया। संस्था के सचिव उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने कहा कि हिंदी की लोकप्रियता में और उसके उत्थान में मुंशी प्रेमचंद जी का अविस्मरणीय योगदान है जिसको कभी भुलाया नहीं जा सकता। मंत्र, शतरंज के खिलाड़ी एवं गोदान जैसी उनकी अनेक हृदय स्पर्शी कहानियाँ एवं उपन्यास आज भी प्रासंगिक हैं। अपनी कालजयी रचनाओं के कारण प्रेमचंद जी युगों- युगों तक अमर रहेंगे। कार्यक्रम में रामकुमार भारद्वाज अफरोज, डॉ राम शंकर शर्मा प्रेमी, जगदीश निमिष, बृजेंद्र तिवारी अकिंचन,प्रताप मौर्य मृदुल, शंकर स्वरूप आदि ने काव्य पाठ किया।

ग्राम पंचायत करौंदिया में कार्य बिना ही पैसे निकाल लिया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

सिंगरौली जिले के जनपद पंचायत चितरंगी अंर्तगत करौंदिया पंचायत में सरपंच और सचिव रोजगार सहायक कि मिली भगत से आगनवाड़ी भवन पिपरखड़ में लगभग 3 लाख रुपए निकाल लिया गया है और काम सिर्फ 60 -70 हजार रुपए तक का लगभग किया गया है इतना ही नहीं गांव पिपरखड़ के लोगों द्वारा आज कहा गया है कि हम लोगों से सरपंच सचिव ने कार्य करवा लिया पैसा भी निकाल लिया लेकिन हम गरीबों का पैसा आज दिनांक तक नही दिया जब मांगते हैं तो बोलता है पैसा आएगा तो दूंगा जबकि पैसा सरपंच द्वारा कई बार निकाल लिया गया लोगों द्वारा बताया गया कि हम लोग कम से कम 10 से 15 लोग है हम लोगों के घर का गुजारा मजदूरी करके ही गुजरता है लेकिन उसके बाद भी आज दिनांक तक सरपंच सचिव द्वारा हमारा पैसा नहीं दिया जा रहा है जहां के सरपंच श्यामकली बंसल सचिव अरविंद शर्मा रोजगार सहायक निशा उपाध्याय है स्थानीय लोगों का कहना है कि जल्द से जल्द जांच दल का गठन करके जांच करवाया जाए और जो भी दोषी पाया जाए उसके ऊपर कार्यवाही किया जाय वहीं जनपद सीओ हरीश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि जांच दल का गठन कर दिया गया है और मैं खुद भी जांच दल के साथ जांच करने जाऊंगा और ठोस से ठोस कार्यवाही किया जायेगा जो भी दोषी पाया जायेगा

बंजरिया में बन्दरों का आतंक ,मासूम को किया घायल

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-रिठौरा- लगातार बन्दरों एवं आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा अब तक दर्जनों लोगों को बन्दर अपना शिकार बना चुके हैं। रविवार को भी बंजरिया में मासूम बच्ची फातिमा परबीन घर के पड़ोस की दुकान पर खाने-पीने की दुकान पर कुछ खरीदने गई थी। अचानक बन्दरों ने गली में बच्ची पर हमला बोल दिया। जिससे वह लहुलुहान हो गई।किसी तरह ग्रामीणों की मदद से बच्ची को बचाकर निजी चिकित्सक के पास उपचार के लिए भिजवाया। वहीं आवारा कुत्तों ने भी तमाम ग्रामीणों को अपना शिकार बना चुके हैं।आम जनमानस कुत्ता,बन्दर तो किसान आवारा गौवंशीय पशुओं से बेहद परेशान हैं।

बगदरा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी फरार मुजरिम को गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

सिंगरौली बगदरा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम भुईधरवा निवासी एक अठारह वर्षीय युवती ने सुसाईड पत्र लिखकर आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम भुईधरवा निवासी संजू देवी पिता बबोल सिंह गोंड उम्र 18 वर्ष ने लालता विश्वकर्मा के खेत में स्थित आम के पेड़ में फांसी लगा कर आत्म हत्या कर लिया था उसी के हांथ कि कलाई में रक्षा सूत्र बंधा हुआ था जहां सुसाइड नोट भी मिला था जिसके फलस्वरूप चौकी प्रभारी बगदरा सूरज सिंह ने जांच पड़ताल करते हुए उसकी मौत कि गुत्थी को सुलझाने में लगे हुए थे अंततः उनको बड़ी कामयाबी मिली जिसमें धारा 306 और एससी एसटी एक्ट कायम किया गया था आरोपी कई दिनों से फरार चल रहा था लगातार पुलिस का प्रयास जारी रहा अंततः पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया आरोपी अश्वनी विश्वकर्मा और मंजू विश्वकर्मा को पुलिस ने जेल भेज दिया जिसमें प्रमुख रूप से बगदरा चौकी प्रभारी सूरज सिंह ए एस आई परमहंस पांडे मुंशी रविनंदन सिंह आरक्षक गौरव यादव ,आरक्षक विकास मौर्य ने अहम भूमिका निभाई

विधायक कप सिरमौर में खिलाड़ियों के साथ भेद-भाव दुर्भाग्यपूर्ण

क्यूँ न लिखूँ सच

रीवा- विधायक कप सिरमौर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही इस वर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें बालक एवं बालिका वर्ग की टीमें हिस्सा ली थी। बता दें कि इस वर्ष भी गांव-गांव की टीमें इस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा ली। लेकिन उन खिलाड़ियों को शायद नहीं पता था कि उनके साथ क्या होने वाला है। हुआ कुछ यूं कि विधायक के खास लोगों की जो टीम होती है उसको फाइनल तक पहुंचाने के लिए विधानसभा क्षेत्र के बाहर से खिलाड़ियों को बुलाया जाता है और अन्य टीमों को वर्जित रहता है कि जो जिस गांव का है उसी गांव से खेलेगा। आज भी ऐसा ही देखने को मिला कि विधायक के खास कार्यकर्ता की टीम बदरांव गांव के नाम से उतार दी गई जिसमें कुछ खिलाड़ियों को छोड़कर रीवा जिले के खास खिलाड़ियों को शामिल किया गया जिसका विरोध कई टीमों द्वारा किया गया लेकिन विधायक दिव्यराज सिंह ने किसी की कोई बात नहीं सुनी साथ ही टीमों द्वारा विरोध करने पर विधायक के समर्थकों द्वारा खिलाड़ियों के साथ गाली-गलौच किया गया। ऐसा कृत्य देखने बाद ऐसा प्रतीत होता है कि सिरमौर विधायक अपने खास लोगों की टीम को बुलाकर मैच करा देते और उन्हीं में पुरस्कार वितरित करा देते दूर-दूर से पहुंची टीमों का सम्मान तो बचा रहता।

विधायक कप सिरमौर में भाजपा विधायक के चमचों की गुंडागर्दी

विधानसभा सिरमौर में दो दिवसीय कबड्डी टूर्नामेंट विधायक कप में अपनी एक निजी टीम को जिताने के लिए पूर्व कररिया सरपंच स्वदीप सिंह (गोलू) द्वारा खिलाड़ियों के साथ गाली-गलौच कर अभद्र व्यवहार किया गया साथ ही जबरजस्ती खिलाड़ियों को खेलने के लिए दवाब बनाया गया। इसके पहले भाजपा के सिरमौर किसान मंडल अध्यक्ष अरूण सिंह भी बाहरी खिलाड़ियों का विरोध करने पर दर्शकों से दुर्व्यवहार करते नजर आए है। विधायक कप सिरमौर में विधायक द्वारा गांव-गांव से टीमें बुलाकर किसी खास टीम को जिताने के लिए खिलाड़ियों के साथ ऐसा कृत्य करवाया जाना शर्मनाक है। ऐसे में खिलाड़ियों की भावना आहत होती है और उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचती है। वहीं विधायक अपने चमचों की टीम के लिए अन्य गांव की टीमों के साथ जो दुर्व्यवहार करवाया गया है वो निंदनीय है।

जमीन को लेकर दो भाइयों में विवाद समझौते के बाद आरोपी ने गोली मारी अपने ही छोटे भाई को

क्यूँ न लिखूँ सच
मीरा कौशिक

गाजियाबाद जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों में बहन के घर हुआ समझौता छोटे भाई ने गाली देने की माफी मांगी पैर छुए फिर बड़े भाई को गले लगाया उसके तुरंत बाद बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मार दी घटना थाना विजयनगर की 6 अक्टूबर की रात 8=00 बजे की है जिसमें घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है आरोपी भाग कर बुलंदशहर के कोर्ट पहुंचा और आर्म्स एक्ट के तहत मामले में हाजिर हो गया बुलंदशहर में खुर्जा में नगला गांव के रहने वाली कुलदीप शिवपुरी अपनी पत्नी सपना के साथ रहते हैं उनकी प्रता प विहार गाजियाबाद में बाइक मैकेनिक की दुकान है सपना ने थाना विजयनगर गाजियाबाद में बाइक मैकेनिक की दुकान है सपना ने थाना विजयनगर गाजियाबाद में भाई दिनेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई सपना ने बताया कि 10 साल पहले कुलदीप के पिता की मौत के बाद दिनेश और मां के नाम जमीन बढ़ गई थी उसके साथ रहने के कारण खेती से होने वाली आए उन्हें ही देती थी कोरोना कल में भाभी की तबीयत बिगड़ जाने पर मां गांव चली गई 6 माह पहले उन्होंने फोन करके बोला कि दिनेश मुझे अस्पताल नहीं ले जाता और तू आकर मुझे ले जा कुलदीप अपने साथ अपनी मां को ले आया दिनेश को लगा कुलदीप मां की जमीन हड़पने के लिए ले गया है और फोन पर धमकी देने लगा दोनों के बीच गाली गलौज हुई एक सप्ताह पहले तमंचा लेकर उसकी दुकान पर पहुंच दिनेश ने गोली मारने की धमकी दी उसकी प्रताप विहार चौकी थाना विजयनगर में शिकायत दर्ज की थी सुंदर नगर में रहने वाली बहन सुनीता को जब पता चला कुलदीप और दिनेश में झगड़ा हो रहा है तो उसने 6 अक्टूबर की रात 8=30 बजे अपने घर दोनों को बुलाया और समझौता कराया समझौता करने के बाद दोनों ने एक दूसरे से गले भी मिले उसके बाद दिनेश शौचालय चला गया और पीछे से कुलदीप के कंधे में गोली मार दी नाकाम पुलिस मामले को दबाने मैं लगी है*बताया जाता है कि तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी और गाली गलौज की शिकायत पर भी पुलिस ने कोई पूछताछ दिनेश से नहीं कि नहीं उसको बुलाया पुलिस उसको पकड़ने में भी नाकामयाब रही इसका आरोप है कि थाना और पुलिस भी मिली हुई है थाना विजयनगर मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं कुलदीप के मुताबिक उसका भाई अपराधिक प्रगति का है और 2015 में उसे बुलंदशहर पुलिस ने तमंचे के साथ गिरफ्तार किया जमानत मिलने पर वह तारीख पर नहीं गया इस कारण गिरफ्तारी का वारंट जारी हुआ इसका फायदा उठाकर हत्या की साजिश करी या उसकी डरने की कोशिश की की ताकि वह उसकी जमीन उसके हवाले कर दे और यह सब करके वह बुलंदशहर कोर्ट हाजिर हो गया जहां उसे न्यायिक हिरासत भेज दिया रिपोर्ट दर्ज करके जांच चल रही है बुलंदशहर बंद आरोपियों से भी पूछताछ होकर आगे की कार्यवाही करेंगे

केन्द्रीय मंत्री गोयल पहुचे नागदा

क्यूँ न लिखूँ सच
महेश कछावा

नागदा- नागदा-मोदी सरकार मे केन्द्रीय वाणिज्य एवं उधोग मंत्री पीयूष गोयल रतलाम से आज करीब 4=30 बजे हेलीकाप्टर से बिरला उधोग समूह के एयर पोर्ट पर नागदा पहुंचे। जहां उधोग के अधिकारी संजय व्यास, के सुरेश सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओ के साथ उज्जैन जिले के सांसद अनिल फिरोजिया ,केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त सुल्तान सिह शेखावत, जिला अध्यक्ष बहादूर सिह बरमोडा , वर्तमान नागदा खाचरौद विधानसभा के प्रत्याशी डा तेजबहादुर सिह चोहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश धाकड़ के साथ अनेकों कार्यकताओ ने एयर पोर्ट पर पहुंचा केन्द्रीय मंत्री गोयल का स्वागत किया गया ।जहा से अपने निजी वाहन द्वारा सडक मार्ग से उज्जैन होते हुऐ इन्दोर प्रबुद्धजन सम्मेलन को सम्बोधित करेगे।वैसे केन्द्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल के पास वर्तमान मे वाणिज्य ओर उधोग मंत्रालय के साथ ही उपभोक्ता मामले,खाद्य ओर सार्वजनिक वितरण एवं कपडा मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग भी है।साथ ही श्री गोयल राज्यसभा के नेता सदन भी है ।

मऊरानीपुर जलविहार मेला में दुकानदार के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी का मामला पुलिस ने किया दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी मऊरानीपुर गांधीगंज निवासी रोहित अहिरवार पुत्र पूरन अहिरवार ने कोतवाली मऊरानीपुर को तहरीर देकर बताया कि वह मेला जलविहार महोत्सव में वाम्बे फॉस्ट फूड के नाम से दुकान लगाये हुए है। दुकान पर झूला मालिक अशोक नगरिया, विनोद पांचाल, इरफान ठेकेदार, बन्दन तिवारी तथा उनके साथ 4 अन्य अज्ञात व्यक्ति प्रतिदिन नाश्ता व भोजन करने आते थे। पैसा नही देते थे। उसने 5 अक्टूबर को उनसे भोजन के पैसे मांगे तो उक्त व्यक्तियों ने पैसे देने से मना कर दिया। गालियां देने लगे जब उसने गाली देने से मना किया तो इन लोगो ने उसे लोहे की राड से मारा पीटा। उसके बाल पकडकर घसीटते हुए नाव वाले झूले तक ले गए। आरोप लगाया कि दुकान का सारा खाने पीने का सामान सडक पर फेंक दिया। लगभग 30 हजार का नुकसान हुआ। सिर में गम्भीर चोटे आयी और बाये हाथ में फैक्चर हुआ। जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 147, 323, 504, 506, 325, 427, एससीएसटी एक्ट के तहत दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

जातिगत जनगणना से काटी कन्नी, भाजपा को सर्व समाज का साथ - डिप्टी सीएम

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- जनपद प्रवास के दौरान डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ है। अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने गुंडे माफियाओं को आगे बढ़ाने का लगातार काम किया है। जब जब सपा की प्रदेश में सरकार रही तब तब कुकृत्य हुए हैं। झांसी, बुंदेलखंड भी उससे अछूता नहीं है। मध्य प्रदेश में होने वाले चुनावों को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तड़के सुबह झांसी पहुंचे। दतिया मप्र जाते समय झांसी सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए उप मुख्यमंत्री जातिगत जनगणना के सवाल से कन्नी काट गए। उन्होंने कहा कि भाजपा को सर्व समाज का साथ मिल रहा है। दलित समाज हो या फिर ओबीसी सभी को प्रधानमंत्री की गरीब जन कल्याण योजनाओं का लाभ मिल रहा। सभी लोग प्रधानमंत्री को अपना अभिभावक मानकर देश और प्रदेश को आगे बढ़ा रहे है। वही मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर कहा कि जब उत्तर प्रदेश में चुनाव होता है तो विभिन्न प्रदेश के लोग यहां आते हैं वैसे ही हम भी जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री की गरीब जनकल्याण योजनाओं को लेकर जन-जन के बीच है। भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों को भरोसा बढ़ा है। सभी समाज के लोग भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े हैं। उत्तर प्रदेश तेजी के साथ नंबर एक के लिए आगे बढ़ रहा है. मध्य प्रदेश चुनाव के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर कहा कि जब उत्तर प्रदेश में चुनाव होता है तो विभिन्न प्रदेश के लोग यहां आते हैं वैसे हम भी जा रहे हैं। इस दौरान सदर विधायक रवि शर्मा, महानगर अध्यक्ष हेमंत परिहार आदि मौजूद रहे। पत्रकारों से मुलाकात करने के बाद वह मां पीताम्बरा पीठ के दर्शन करने के लिए दतिया जायेंगे। दर्शन करने के बाद वह मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे और सरकार की नीतियों के बारे में बतायेंगे।

फार्मासिस्टों की समस्याओं से केंद्र व राज्य सरकार को अवगत कराया जाएगा-विनीत सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- - अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ए बी पी ए जनपद झाँसी होटल रेस्टोरेंट रेलवे स्टेशन रोड सिविल लाइन झाँसी में मीटिंग हुई जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव विनीत कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार उत्तर प्रदेश प्रभारी लोकेश कुमार सारोला वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनीश निगम व अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुमारी आंचल रायकवार ने की जिसमें नव नियुक्त जिलाध्यक्ष कुमारी आंचल रायकवार का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया एवं समस्त फार्मासिस्टों व अपना दल एस राष्ट्रीय सचिव व्यापार मंच पटेल धर्मपाल सिंह निरंजन बीआर बटटा गुरु का स्वागत किया गया कार्यक्रम के राष्ट्रीय महासचिव विनीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की समस्या एवं प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने अपने संबोधन में सब फार्मासिस्टों के हक अधिकार की जानकारियां दी व उनके स्वाभिमान सम्मान की रक्षा के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित कर शासन प्रशासन केंद्र व राज्य सरकार को ज्ञापन के माध्यम से समस्याओं को भेजने का आश्वासन दिया कार्यक्रम आयोजक डॉ सुभाष रायकवार बुंदेलखंड अध्यक्ष आईटी सेल ने आए हुए सही महानुभावों का आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम में उपस्थित डीआरएस सिंघानिया , शिवकुमार ,अशोक, सोनू साहू, प्रमोद ,गणेश, एसके अग्रवाल ,राकेश ,राम पाल, चंद्रप्रकाश ,अनिल ,शिव ,संतोष ,नीरज ,सुनीता, डॉ रामपाल ,राजू सविता ,प्रदीप ,सुरेश ,प्रमोद ,कमलेश आदि उपस्थित रहें । बैठक का संचालन डॉ रामपाल कुशवाहा डेली ने किया।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़,पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

बेटे ने दिलाई मां को फांसी की सजा: 'मम्मी ने मिट्ठू से कहा था- इसे फिनिश कर दो...' मेरे सामने पापा को मार डाला

सुखजीत हत्याकांड में वैसे तो 16 गवाह पेश किए गए लेकिन घटना के चश्मदीद रमनदीप कौर के बेटे अर्जुन सिंह की गवाही सबसे महत्वपूर्ण रही। सुखजीत की हत्या के चश्मदीद बेटे अर्जुन ने अदालत को बताया कि घटना की रात वह भी उसी कमरे में था, जिसमें डैडी सोए थे। अदालत में बेटे अर्जुन ने कत्ल की रात का आंखों देखा हाल बताया था।बहुचर्चित सुखजीत सिंह हत्याकांड में शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने एनआरआई पत्नी रमनदीप कौर को फांसी और उसके प्रेमी गुरुप्रीत सिंह उर्फ मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने मामले की विवेचना में लापरवाही बरतने पर डीजीपी से विवेचक राजेश कुमार सिंह के खिलाफ एक सप्ताह में कार्रवाई की अनुशंसा की।बंडा के बसंतापुर के मूल निवासी सुखजीत इंग्लैंड के डर्बी शहर में रहते थे।

उनका फार्म हाउस बसंतापुर में है। सुखजीत की पंजाब के कपूरथला की तहसील सुल्तानपुर लोधी के गांव जैनपुर के मूल निवासी और दुबई में रहने वाले गुरुप्रीत सिंह उर्फ मिट्ठू सिंह से स्कूल के समय से मित्रता थी। सुखजीत ने जालंधर की मूल निवासी और इंग्लैंड के डर्बी शहर निवासी रमनदीप कौर से सन 2000 में शादी की थी। इसके बाद मिट्ठू और सुखजीत की पत्नी रमनदीप कौर के बीच प्रेम संबंध हो गए। 28 जुलाई, 2016 को सुखजीत पत्नी, बच्चों और अपने दोस्त मिट्ठू के साथ भारत आए थे। देश में कई जगह घूमने के बाद वह 15 अगस्त को अपने बसंतापुर स्थित फार्म हाउस पहुंचे। एक सितंबर की रात सुखजीत की गला काटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने मिट्ठू और रमनदीप को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया था। पुलिस के अनुसार प्रेम संबंध में रोड़ा बनने पर रमनदीप ने प्रेमी मिट्ठू के साथ मिलकर सुखजीत की हत्या की थी। एक साल बाद रमनदीप और मिट्ठू जमानत पर बाहर आ गए थे। मुकदमा चलने के दौरान अदालत में घटना के चश्मदीद बेटे अर्जुन समेत 16 गवाह पेश किए गए। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल वर्मा ने बताया कि पांच अक्तूबर को अदालत ने गवाहों के बयान और सरकारी वकील के तर्कों को सुनने के बाद रमनदीप और मिट्ठू को दोषी माना था। शनिवार को अदालत ने दोनों की सजा का एलान किया। रमनदीप कौर को फांसी और मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने रमनदीप पर पांच लाख और मिट्ठू पर तीन लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।' मिट्ठू ने चाकू लाकर दिया, मम्मी ने काट दिया डैडी का गला'- सुखजीत हत्याकांड में वैसे तो 16 गवाह पेश किए गए लेकिन घटना के चश्मदीद रमनदीप कौर के बेटे अर्जुन सिंह की गवाही सबसे महत्वपूर्ण रही। बता दें कि रमनदीप ने एक सितंबर 2016 को अपने प्रेमी मिट्ठू के साथ मिलकर पति सुखजीत सिंह की हत्या कर दी थी। बंडा के बसंतापुर के मूल निवासी सुखजीत इंग्लैंड के डर्बी शहर में रहते थे। उनका फार्म हाउस बसंतापुर में है। बंडा के बसंतापुर स्थित फार्म हाउस में ही वारदात हुई थी। इस हत्याकांड में अदालत ने सुखजीत की पत्नी रमनदीप को फांसी और उसके प्रेमी मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सुखजीत की हत्या के चश्मदीद बेटे अर्जुन ने अदालत को बताया कि घटना की रात वह भी उसी कमरे में था, जिसमें डैडी सोए थे। आहट सुनकर उसकी आंख खुली तो उसने देखा कि डैडी के सीने पर उसकी मम्मी बैठी थीं। तकिये से उनका मुंह दबाया हुआ था। पास में खड़े मिट्ठू ने हथौड़े से डैडी के सिर पर दो वार किए। डैडी बहुत हिल रहे थे तो मम्मी ने मिट्ठू से कहा कि इसे फिनिश कर दो। मिट्ठू ने कहीं से चाकू लाकर मम्मी को दिया और मम्मी ने डैडी की गर्दन चाकू से काट दी। डर के कारण वह चादर के अंदर बिना हिले-डुले पड़ा रहा। बयानों में अर्जुन ने यह भी कहा था कि डैडी की हत्या में शामिल मम्मी अब उसके लिए केवल रमनदीप कौर है। घटना के समय अर्जुन की आयु दस वर्ष थी। वर्तमान में 17 वर्षीय अर्जुन और उनका छोटा भाई 14 वर्षीय एमन इंग्लैंड में अपनी बुआ के पास रहकर पढ़ रहे हैं। सुखजीत के फार्म हाउस पर काम करने वाले रामदास ने भी बयान दिए थे कि उसने मिट्ठू और रमनदीप को खेत व घर में आपत्तिजनक हालत में देखा है। इसके बारे में उसने वादिनी यानी सुखजीत की मां वंश कौर को भी बताया था। प्रेम संबंध में रोड़ा बनने पर रमनदीप कौर ने प्रेमी मिट्ठू सिंह के साथ मिलकर सुखजीत की हत्या की थी। एक साल बाद रमनदीप और मिट्ठू जमानत पर बाहर आ गए थे। मुकदमा चलने के दौरान अदालत में घटना के चश्मदीद बेटे अर्जुन समेत 16 गवाह पेश किए गए। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल वर्मा ने बताया कि पांच अक्तूबर को अदालत ने गवाहों के बयान और सरकारी वकील के तर्कों को सुनने के बाद रमनदीप और मिट्ठू को दोषी माना था। शनिवार को अदालत ने दोनों की सजा का एलान किया। रमनदीप कौर को फांसी और मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सुखजीत की हत्या के चश्मदीद बेटे अर्जुन ने अदालत को बताया कि घटना की रात वह भी उसी कमरे में था, जिसमें डैडी सोए थे। आहट सुनकर उसकी आंख खुली तो उसने देखा कि डैडी के सीने पर उसकी मम्मी बैठी थीं। तकिये से उनका मुंह दबाया हुआ था। पास में खड़े मिट्ठू ने हथौड़े से डैडी के सिर पर दो वार किए। डैडी बहुत हिल रहे थे तो मम्मी ने मिट्ठू से कहा कि इसे फिनिश कर दो। मिट्ठू ने कहीं से चाकू लाकर मम्मी को दिया और मम्मी ने डैडी की गर्दन चाकू से काट दी। डर के कारण वह चादर के अंदर बिना हिले-डुले पड़ा रहा। बयानों में अर्जुन ने यह भी कहा था कि डैडी की हत्या में शामिल मम्मी अब उसके लिए केवल रमनदीप कौर है। घटना के समय अर्जुन की आयु दस वर्ष थी। वर्तमान में 17 वर्षीय अर्जुन और उनका छोटा भाई 14 वर्षीय एमन इंग्लैंड में अपनी बुआ के पास रहकर पढ़ रहे हैं। सुखजीत के फार्म हाउस पर काम करने वाले रामदास ने भी बयान दिए थे कि उसने मिट्ठू और रमनदीप को खेत व घर में आपत्तिजनक हालत में देखा है। इसके बारे में उसने वादिनी यानी सुखजीत की मां वंश कौर को भी बताया था। प्रेम संबंध में रोड़ा बनने पर रमनदीप कौर ने प्रेमी मिट्ठू सिंह के साथ मिलकर सुखजीत की हत्या की थी। एक साल बाद रमनदीप और मिट्ठू जमानत पर बाहर आ गए थे। मुकदमा चलने के दौरान अदालत में घटना के चश्मदीद बेटे अर्जुन समेत 16 गवाह पेश किए गए। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल वर्मा ने बताया कि पांच अक्तूबर को अदालत ने गवाहों के बयान और सरकारी वकील के तर्कों को सुनने के बाद रमनदीप और मिट्ठू को दोषी माना था। शनिवार को अदालत ने दोनों की सजा का एलान किया। रमनदीप कौर को फांसी और मिट्ठू को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने रमनदीप पर पांच लाख और मिट्ठू पर तीन लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

देवरिया हत्याकांड: मुख्य आरोपी मिश्रा राइफल संग अरेस्ट; इसी से मारी थी सत्यप्रकाश की पत्नी और बच्चों को गोली

दो अक्तूबर को हुए सामूहिक हत्याकांड में सत्यप्रकाश दूबे, सलोनी और गांधी को गोली मारने वाले प्रेम यादव के ड्राइवर नवनाथ मिश्रा को पुलिस ने राइफल सहित गिरफ्तार कर लिया है।पूरे उत्तर प्रदेश को हिला देने वाले देवरिया हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। देवरिया स्थित रुद्रपुर क्षेत्र के फतेहपुर के लेड़हा टोला में दो अक्तूबर को हुए सामूहिक हत्याकांड में सत्यप्रकाश दूबे, सलोनी और गांधी को गोली मारने वाले प्रेम यादव के ड्राइवर नवनाथ मिश्रा को पुलिस ने राइफल सहित गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में यह 21वीं गिरफ्तारी है। रविवार को एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अभी कुछ अन्य आरोपी इस घटना में शामिल हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। ये है पूरा मामला बता दें कि देवरिया जिले में रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर गांव में सोमवार को सुबह छह बजे जमीन के विवाद में एक पूर्व जिला पंचायत सदस्य की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। इससे गुस्साएं पूर्व जिला पंचायत सदस्य के पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के घर में घुसकर पति, पत्नी और उसके तीन संतानों को गोली मारकर और धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी, जबकि एक बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। आरोपियों की तलाश में ताबड़तोड़ छापे, स्कूली बच्चे परिवार के साथ घरों में कैद फतेहपुर गांव के लेड़हा टोला में सामूहिक हत्याकांड के आरोपियों की तलाश में पुलिस कई स्थानों पर ताबड़तोड़ छापे मार रही है। पुलिस की कार्रवाई से आरोपियों के सगे-संबंधी भी सहमे हुए हैं। गांव के चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा है। गांव में हर आने-जाने वाले का रिकॉर्ड पुलिस तैयार कर रही है। वहीं, पुलिस की पहरेदारी से गांव में अन्य ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने लगी है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। गांव के हर मोड़ पर पुलिस के पहरे और आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर चलने की कार्रवाई की आशंका से ग्रामीण सहमे हैं। वह किसी बवाल की आशंका को देखते हुए पाल्यों को घरों से बाहर निकलने नहीं दे रहे हैं। गांव में स्कूल बस भी नहीं पहुंच रही है।

सीएम योगी बोले, श्रीराम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है तो हम सिंधु भी वापस ला सकते हैं

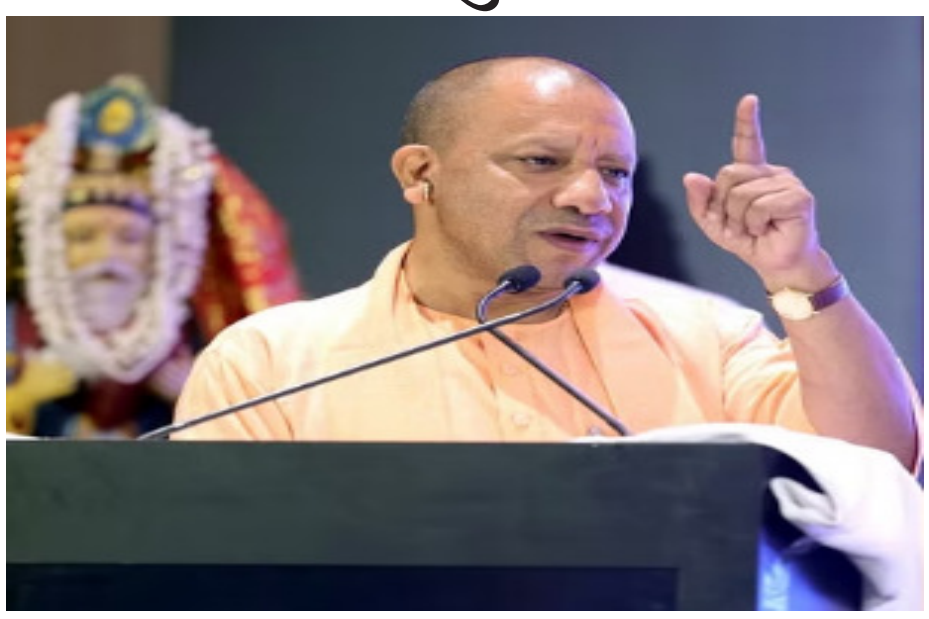

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होटल हॉलिडे इन में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सिंधी अधिवेशन को संबोधित किया और कहा कि देश है तो धर्म है। अगर हम श्रीराम जन्मभूमि ले सकते हैं तो सिंधु भी वापस ले सकते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 500 वर्षों के बाद श्रीराम जन्मभूमि वापस ली जा सकती है तो हम सिंधु भी वापस ला सकते हैं। सिंधी समाज को अपने इतिहास के बारे में अपनी वर्तमान पीढ़ी को बताने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। जनवरी में रामलला अपने मंदिर में फिर से विराजमान होंगे। सीएम योगी रविवार को होटल हॉलिडे इन में सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सिंधी अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति की जिद की वजह से देश को विभाजन की त्रासदी से गुजरना पड़ा। देश के बंटवारे की वजह से लाखों लोगों का कत्लेआम हुआ। भारत का एक बड़ा भू-भाग पाकिस्तान के रूप में चला जाता है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने उस दर्द को सबसे ज्यादा सहा है, उन्हें अपने मातृभूमि को छोड़ना पड़ा। सीएम योगी ने कहा कि आज भी आतंकवाद के रूप में हमें विभाजन की त्रासदी के दंश को झेलना पड़ता है। सीएम योगी ने कहा कि कोई भी सभ्य समाज आतंकवाद, उग्रवाद या किसी भी प्रकार की अराजकता को कभी मान्यता नहीं दे सकता। अगर मानवता के कल्याण के मार्ग पर हमें आगे बढ़ाना है तो समाज की दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करना होगा। हमारे धर्मग्रंथ भी हमें यही प्रेरणा देते हैं। पूज्य झूलेलाल जी हों या भगवान श्रीकृष्ण, सबने मानव कल्याण के लिए सज्जन के संरक्षण और दुर्जन को समाप्त करने की बात कही है। सीएम योगी ने कहा कि देश है तो धर्म है, धर्म है तो समाज है और समाज है तो हम सभी का अस्तित्व है। हमारी प्राथमिकता इसी अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का सौभाग्य है कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद भारत के अंदर अपने अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने कहा कि 1947 में बंटवारे जैसी त्रासदी फिर कभी ना आने पाए, इसके लिए हमें राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेना चाहिए। राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति खिलवाड़ करने वाले को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हमें तैयार रहना चाहिए।

सिंधी समाज सबसे बड़ा उदाहरण

सिंधी समाज भारत के सनातन धर्म का अभिन्न हिस्सा है। सिंधी समाज ने सम-विषम परिस्थितियों में अपने पुरुषार्थ से खुद को आगे बढ़ाया है। शून्य से शिखर तक यात्रा कैसे होती है, भारत के अंदर सिंधी समाज इसका बड़ा उदाहरण है।

सीएम ने इन्हें किया सम्मानित

कार्यक्रम में सीएम योगी ने पद्म भूषण पंकज आडवाणी को %शेर ए सिंध% सम्मान से सम्मानित किया। पंकज 25 बार विश्व बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियन रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, लखानी ग्रुप के अध्यक्ष एसएन लखानी, देश में सामाजिक कार्यों के जाने माने नाम श्रीराम छबलानी, टेक महिंद्रा के भारत के प्रमुख राजेश चंद्र रमानी और वीआईपी की को-फाउंडर सोनाक्षी लखानी को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 10 देशों और भारत के 10 राज्यों के 225 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष विवेक लधानी, महासचिव विरेन्द्र खत्री, उपाध्यक्ष विनोद पंजाबी, संस्थापक अध्यक्ष सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया सुरेश केसरवानी और सिंधी समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का बड़ा बयान, बोले- जातीय जनगणना के मुद्दे पर होगा लोकसभा चुनाव 2024

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 जातीय जनगणना के मुद्दे पर होगा। उन्होंने कहा कि प्रभावी नीतियां बनाने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जातीय जनगणना को लेकर बड़ी बात कही है। अखिलेश यादव ने कहा कि अगला चुनाव जातीय जनगणना के मुद्दे पर होगा। जातीय जनगणना की हमारी लड़ाई बहुत पुरानी है।नेताजी मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और लालू प्रसाद यादव ने जातीय जनगणना की मांग की थी। उस समय की सरकार ने गिनती की लेकिन आंकड़े कभी बाहर नहीं आने दिए। आज बिहार में जो सर्वे किया गया है, उससे एक नई उम्मीद जगी है। अब चाहे दिल्ली की सरकार हो या कहीं की जातीय जनगणना करानी ही पड़ेगी।

शून्य से शिखर तक की यात्रा का

अयोध्या: प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले शुरू हो जाएगा श्रीराम एयरपोर्ट, 85 फीसदी कार्य पूरा

अयोध्या में बन रहे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का 85 फीसदी काम पूरा किया जा चुका है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा।अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ-साथ तमाम विकास कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसे ध्यान में रखते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य भी तेज गति से पूरा किया जा रहा है। जनवरी माह में भव्य श्रीराम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले दिसंबर माह तक अयोध्या में हवाई यातायात सेवाएं प्रारंभ हो जाएंगी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अयोध्या के विभिन्न कार्यों के प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर तीव्र गति से कार्य चल रहा है। फेज वन के सभी कार्यों को दिसंबर 2023 तक पूर्ण कर इसी कैलेंडर ईयर में एयरपोर्ट पर एयरक्राफ्ट का संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट के समस्त कार्यों को तीन फेजों में किया जाना है। इसके लिए परियोजना में सम्मिलित कुल 821 एकड़ भूमि अर्जन का शतप्रतिशत कार्य पूर्ण कर एयरपोर्ट अथॉरिटी को सौंप दिया गया है। एयरपोर्ट के फेज-वन के 2200 मीटर लंबे व 45 मीटर चौड़े रनवे का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण है। भविष्य में रनवे को 3750 मी तक बढ़ाए जाने की योजना है। इसके लिए भी भूमि अर्जन का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया हैउन्होंने बताया कि नाइट लैंडिंग तथा कोहरे एवं धुंध में लैंडिंग के लिए कैट-वन एवं रेसा सुविधाओं का कार्य भी शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है। एयरक्राफ्टों के लैंडिंग के लिए लगाई गई लाइटिंग का कार्य पूर्ण है। एटीसी टॉवर का भी शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी के अनुसार एयरपोर्ट के संचालन के लिए आने वाली रुकावटों को दूर कर दिया गया है। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के एयरक्राफ्ट के परिचालन से पूर्व एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) में शामिल विभिन्न घटकों यथा लोकलाइजर, ग्लाइड पथ, मार्कर, डीएमई आदि के समस्त चरणों का कैलिब्रेशन भी किया जा चुका है।

ईलाज बना ला ईलाज, ये समस्या या समाधान-प्रदीप तिवारी

क्यूँ न लिखूँ सच
शिवकुमार मिश्रा

रीवा प्रदीप कुमार तिवारी प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन अपनी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को बताया कि जानकारी स्पष्ट है कि हम आप सभी परिवार में रिश्तेदारी में मित्रता में जरूर छोटी बड़ी बीमारियों से लोग त्रस्त हैं। बीमारी के चलते इलाज की आवश्यकता होती है हम आप सबको मालूम है और सरकारी अस्पतालों में दवाओ की व्यवस्था एवं उचित देख की व्यवस्था न होने के कारण प्रत्येक व्यक्ति प्राइवेट अस्पताल की तरफ इलाज के लिए पहुंचता है। जब इलाज शुरू होता है तो डॉक्टर साहब या व अस्पताल का समस्त स्टाफ का मरीज को लिखी गई दवाई उसी अस्पताल के मेडिकल स्टोर से लेने को ही कहा जाता है अन्यथा बाजार से दवाई लेने की

स्वीकृति स्वतंत्रता प्रदान क्यों नहीं है क्या प्राइवेट हॉस्पिटल में दवाइयां अलग से आती है या प्राइवेट वालों का दवा एजेंसी अलग है उनके पास वह दवाई नहीं होती है इसका सीधा सभी साथी जानते हैं कि सीधा सा कारण है जो दवाई प्राइवेट मेडिकल जिस हॉस्पिटल में इलाज करा रहे है वहां पर कीमत कई गुना अधिक ली जाती है।और वाहर के मेडिकल पर उस दवा की कीमत काफी कम होती है। इस व्यवस्था में सुधार हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय श्रीमान कमिश्नर महोदय और शासन को यह जानकारी दी जावे की प्राइवेट अस्पताल वालों को इलाज के दौरान मरीज बाहर से भी दवा ला सकता है। उसको बाहर से दवा लाने से न रोका जाए। अगर रोका जाता है तो यह अपराध की श्रेणी में शामिल होना चाहिए लेकिन प्राइवेट अस्पताल वाले मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाना पूरी तरह जानते हैं इसलिए दबाव बनाकर अपने अस्पताल के मेडिकल स्टोर से ही दवाई के लिए सभी मरीजों को प्रेरित करते हैं मजबूरी में मरीज के परिजन दवाई भी खरीदते हैं लेकिन मन में यह बात जरूर उठती है कि ऐसा गलत हो रहा है लेकिन अपने मरीज की जान बचाने के लिए सब करना पड़ता है जो कि यह दबाव में होता है अगर सरकारी अस्पतालों में सुचारू रूप से राज्य सरकार द्वारा पूरी व्यवस्था की जाए तो प्राइवेट अस्पतालों का जो यह लूट खसोट है पूरी तरह से बंद हो जाए

लव-कुश का मंदिर अयोध्या में बनाया जाये - जुगल किशोर कुशवाहा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी।-अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा ने श्री मार्कण्डेश्वर कुशवाहा पंचायत भवन में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष जुगल किशोर कुशवाहा ने बताया कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। कुशवाहा समाज सनातन संस्कृति को मानता है। जैसे रक्षाबन्धन दशहरा, दीपावली, होली इत्यादि सनातन संस्कृति त्यौहारों को मनाता है। भगवान श्रीराम के पुत्र लब-कुश हैं। हम कुशवाहा समाज के व्यक्ति उनके बंसज हैं।

जब भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर अयोध्या में बनाया जा रहा, तो कुशवाहा समाज के बंशस भगवान श्रीराम के पुत्र

भगवान लव-कुश का मंदिर अयोध्या में भव्य बनाया जाये एवं एक ट्रस्ट / आयोग का गठन किया जाये। जिससे कुशवाहा समाज उसका रख रखाव एवं भागीदारी मिल सके। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा दिनांक 09 अक्टूबर को समय 11.00 बजे जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जायेगा। पत्रकार वार्ता में सर्वश्री जिलाध्यक्ष कोमल सिंह कुशवाहा, कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष परमानन्द कुशवाहा, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र कुशवाहा, महामंत्री लखन कुशवाहा, पार्षद लखन कुशवाहा, चौधरी रमेश कुशवाहा, मुकेश कुशवाहा, पूर्व पिछड़ा वर्ग मोर्चा भा0ज0पा0 सतीश कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, इत्यादि लोग उपस्थित थे।

Forest has become a source of income. Beat in-charges are looting the treasury.

KYUN NA LIKHUN SACH
Anupam Kumar Dwivedi

Tehsil Chitrangi District Singrauli Madhya Pradesh? Why not write the truth?

Department is silent on deforestation of Bagdara forest in such full swing? The new teak plantations which were planted 4 years ago in the Bagdara forest, about 2 kilometers away from Tehsil Chitrangi, are now being spun in such a way that the trees which were straight and upright when seen, have only one foot on their mark. The surprising thing is that this is happening from the side of the road. Don't know whether there is anything inside the forest or not. Cutting in such a large quantity is possible only with the cooperation of the in-charge.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन, अतिथि ने किया का सेड का लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

दतिमा मोड़- गणेश उत्सव समापन के पश्चात आम जनता के मनोरंजन के लिए नवयुवक गणेश पूजा समिति धरतीपारा के द्वारा मुख्य चौक स्कूल ग्राउंड में सुआ पाखी लुगरा ह तोर और नरेश पंचोली एवं टीम का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। रात भर छत्तीसगढ़ी, नागपुरी, भोजपुरी लोकगीतों से कलाकारों ने समां बांधा समिति के द्वारा किए गए व्यापक इंतजाम के बीच कलाकारों ने लोगों को रात भर गीतों के रंग से सराबोर कर दिया। ज्योति व पूनम का शानदार नृत्य देखने को मिला। जिसका क्षेत्र में जमकर तारीफ हो रहा है। कार्यक्रम को देखने लगभग दस हजार लोग जुटे थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एएसआई मनोज द्विवेदी सहित करंजी पुलिस टीम मुस्तैद रही। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य लवकेश पैकरा सहित महेश्वर

पैकरा, सुभाष राजवाड़े, जनपद सदस्य प्रतिनिधि संतलाल प्रजापति, देवी चरण सिंह आदि उपस्थित रहे। पूर्व में किए गए स्थानिय ग्रामीणों की मांग पर जिला पंचायत सदस्य लवकेश पैकरा ने अपने जिला पंचायत निधि से सेड निर्माण का घोषणा किया था जिसका लोकार्पण किया गया। कमेटी ने उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्य अतिथि लवकेश पैकरा ने लोगों को बधाई देते हुए ऐसे आयोजनों से क्षेत्र की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है साथ ही क्षेत्र के कलाकारों को जोहर का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शांतिपूर्वक आनंद ले। संस्कृति मानव सभ्यता के अभिन्न अंग है यह मानसिक प्रशंसा का माध्यम भी है बढ़ते आधुनिक व शहरीकरण के कारण गांव से शहर की और लोगों के पलायन से ग्रामीण कला व संस्कृति प्रभावित हुई है जबकि ग्रामीण कला व संस्कृति को प्रसन्न करती है ग्रामीण कला व संस्कृति को बचाने की जरूरत है। इस दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के सदस्यों की अहम भूमिका रही।

घास काटने गए किसान की तालाब में डूबने से मौत, पुलिस ने गोताखोरों की मदद से मृतक के शव को गहरे तालाब से निकाला

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी के बरुआसागर में जहां एक किसान की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिपलोठा निवासी नरेंद्र(42) वर्ष पुत्र भईया लाल कुशवाहा खेती किसानी का कार्य करते थे। जानवरो को घास खिलाने के उद्देश्य से तालाब किनारे घास काटने गया हुआ था। अचानक तालाब के किनारे पहुंच जाने और तालाब की गहराई में चले जाने से नरेंद्र तालाब में डूब गया,परिजनों को जब जानकारी हुई। तब थाना पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर थाना प्रभारी अजमेर सिंह भदौरिया,सब इंस्पेक्टर अनुपम मिश्रा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर

पहुंचे।

गोताखोरों की मदद से देर रात तक चले रेक्स्यू ऑपरेशन के बाद बमुश्किल मृतक के शव को तालाब में खोज कर निकाला जा सका। इस मामले में थाना प्रभारी अजमेर सिंह भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया शव का पंचनामा भरकर पोस्ट मार्टम कराया जाएगा। पश्चात विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

महिलाओं से घर में घुसकर लूटपाट व सामूहिक दुष्कर्म का मामला, दूसरे आरोपी ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

चार बदमाशों ने डेरे में घुसकर लूटपाट के दौरान महिला की पिटाई करके हत्या कर दी थी। वहीं, अन्य महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। इस मामले में रविवार को एक आरोपी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।पानीपत के मतलौड़ा में डेरों में घुसकर महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म, लूटपाट और हत्या के मामले में रविवार को एक आरोपी ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव जंगल में एक खेत में पड़ा मिला। वहीं शनिवार को मुख्य आरोपी को हरियाणा पुलिस ने बागपत के बड़का से दबोच लिया था। लेकिन बाद में पुलिस को चकमा देकर आरोपी ने जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिसे बड़ौत सीएचसी पर भर्ती कराया गया। आरोपी को मेरठरेफर किया गया है।मतलौड़ा में 20 सितंबर की रात एक डेरे में चार बदमाशों ने घुसकर लूटपाट के दौरान महिला की पिटाई करके हत्या कर दी थी। वहीं, अन्य महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। साथ ही लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था।

10 घंटे अंधेरे में डूबा देहात क्षेत्र जनता को झेलना पड़ा बिजली का संकट

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ वोनेर बिजली घर पर रूस्टिंग आने से 10 घंटे देहात में रही बिजली गुल पनेठी बिजली घर गडराना बिजली घर 15गांव की सप्लाई रात्रि के 8=00 बजे गुल रही जेई पनैठी अजय कुमार ने जानकारी में बताया कि दोनों बिजली घरों का कार्य कड़ी मशक्कत के बाद लाइन को चालू किया वहीं क्षेत्र के लोगों ने जेई की कार्य की सराहना की है

तेरहवीं में शामिल होने गया युवक बाइक चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद के निवासी नगला तेजा पनैठी पवन कुमार पिता नित्रपाल सिंह पुलिस को तहरीर में बताया कि वह बहादुरपुर पोस्ट शाहगढ़ तेरहवीं दावत खाने गया था वापस लौटा तो उसकी बाइक वह नहीं मिली आसपास तलाश किया ना मिलने पर पवन कुमार ने अज्ञात चोर के खिलाफ अकरावाद कोतवाली में पुलिस को तहरीर दी है

जन सहयोग से शातिर मोटर साइकिल चोर को चोरी की मोटर साइकिल सहित किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जैथरा पुलिस द्वारा एक शातिर मोटरसाइकिल चोर आकाश पुत्र वीरेन्द्र निवासी खिरिया वनार थाना जैथरा जनपद एटा को जनसहयोग से चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की

ट्यूब बेल ऑपरेटर कम डॉक्टर की कहानी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- नगरपालिका परिषद जिला एटा में कमलेश राजपूत ट्यूब बेल ऑपरेटर के पद पर तैनात है जिसे काशीराम कॉलोनी मंडी समिति एटा तथा काशीराम कॉलोनी पराग डेरी एटा के ट्यूब बेल चलाने का कार्य सौंपा गया है लेकिन उक्त ट्यूब बेल ऑपरेटर ट्यूब बेल पर ड्यूटी न कर डॉक्टरी करने में ज्यादा व्यस्त रहता है। दोनों ट्यूब बेल को चलाने के लिए 3000/ 3000/रूपयों पर कॉलोनी के शराबी लोगों को रखा गया है जिनके द्वारा कभी कभी ही ट्यूब बेल चलाया जा रहा है। लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। लोग हैंड पंप से पानी खींचकर प्रथम तल, द्वितीय तल तथा तृतीय तल पर चढा कर ले जाने को मजबूर हैं। लोगऔर महिलाएं तीसरी मंजिल पर लगी पानी की टंकियों में पानी भरने के लिए छत पर पाइप लाइन को खोलकर अलग अलग कर प्लास्टिक पाइप से पानी मुंह से खींचकर टंकियां भर रहे हैं इस बात को एटा जिला के सभी प्रशासनिक अधिकारी भी इसको बखूबी जानते हैं। ट्यूब बेल ऑपरेटर कम डॉक्टर के नाम से जाने जाने वाले कमलेश राजपूत को कई राजनीतिज्ञों का संरक्षण प्राप्त है। कमलेश राजपूत का कहना कि उसका एक रिश्तेदार यूपी की योगी सरकार में मंत्री है। अगर कमलेश राजपूत चाहे तो एटा जिलाधिकारी को भी ऑफिस से बाहर बुलाकर वह जिलाधिकारी से भी माफी मंगवा सकता है। कमलेश राजपूत से जब पूछा गया कि आप बिना डॉक्टर की डिग्री और डिप्लोमा के लोगों को दबा देते हो और इंजेक्शन भी देते हो और सरकारी नौकरी भी करते हो ये तो एक साथ करना कानूनी तौर पर गलत काम है और आपकी शिकायत डीएम साहब से की जायेगी तो इसी बात पर आगबबूला होकर कमलेश राजपूत ने कहा कि जो भी मेरी शिकायात कर देगा या मेरा फोटो खींचेगा या वीडियो बनाएगा मैं उस पर नेताओं से और अपने रिश्तेदार मंत्री से कहकर इतने मुकद्दमे लगबा दूंगा कि वह जीवन भर जेल में ही सड़ता रहेगा। और कहा कि मैं सरकारी नौकरी भी करूंगा और डॉक्टरी भी करूंगा,चाहे लोगों को पानी मिले या ना मिले मेरी नौकरी और डॉक्टरी जिंदाबाद।मेरे नेताजी और मंत्री जी जिंदाबाद। जब ये सभी ज़िंदाबाद तो मैं भी ज़िंदाबाद ही रहूंगा।

अमरपाटन में बुजुर्ग ब्राह्मण को लाठियों से पीटने का वीडियो हुआ वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच
पुष्पेंद्र तिवारी

मारपीट के वायरल हुए वीडियो में भीषण गंदी जातिगत गालियों का किया गया है प्रयोग, इसलिए वीडियो के आडियो को किया गया है म्यूट,

अमरपाटन के ग्राम खरमसेड़ा का बताया जा रहा है वायरल वीडियो,

गांव के ही बुजुर्ग पंडित के साथ दूसरे वर्ग के लोग मारपीट करने वाले बताये जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के मुखिया कुम्भ करण निर्दा में झोलाछाप डॉक्टर दोनों जेब भर रहे जनपद एटा के नुमाइंदों की खून पसीने की कमाई से

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- यमदूतों के हाथों में जिला एटा की कमान स्वास्थ्य विभाग मौन कार्यवाही करें कौन जिलाधिकारी एटा को स्वास्थ्य विभाग के मुखिया को कुम्भ करण निर्दा में दखल देकर जनता की गाढ़ी कमाई को यमदूतों के हाथों में जाने से रोकना होगा अपना काम

बनता भाड़ में जाए जनता संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से मौत का आरोप कान में दर्द होने पर झोलाछाप ने लगाया था इंजेक्शन इंजेक्शन लगाने के बाद बिगड़ी थी महिला की हालत महिला की हालत बिगड़ने पर आगरा ले गए थे परिजन आगरा में डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित किया पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा कोतवाली जलेसर क्षेत्र के मोहल्ला महावीरगंज का मामला।

Breast Cancer Awareness Month: Women can check themselves for breast cancer at home, with the help of these tips

Breast Cancer Awareness Month Thousands of women in India are affected by breast cancer every year. In most of these cases, cancer is not detected on time and the cancer reaches the third or fourth stage. In the last stages of cancer, it becomes almost impossible to treat it, so self-examination at home can also detect this cancer. Every year from 1st to 31st October is celebrated as Breast Cancer Awareness Month. Breast cancer is the most common cancer in women. Breast Cancer Awareness Month was started to bring awareness about breast cancer. Every year from 1st to 31st October is celebrated as Breast Cancer Awareness Month. Breast cancer is one of the most serious problems facing women. Breast cancer cases have increased rapidly in the last few years. The problem of breast cancer is becoming very common among Indian women also. Every year, hundreds of women lose their lives due to this cancer not being detected on time. For successful treatment of breast cancer, it is very important that it can be identified in time and proper treatment can be done. Women can check themselves for breast cancer at home through self breast examination. As we told you, thousands of women in India are affected by breast cancer every year. In most of these cases, cancer is not detected on time and the cancer reaches the third or fourth stage. In the final stages of cancer, it becomes almost impossible to treat it. Mammography is usually done to detect breast cancer, which is a bit expensive. With the help of self breast examination, women can do early detection of breast cancer at their home without spending any money. When to do self breast examination? Women above twenty years of age should do breast self-examination every month. Women are advised to do self breast examination 2 to 5 days after their periods. This is because breasts remain sensitive during periods and it is normal to have pain or swelling during this time. Women who do not get periods can choose a day of the month and do their breast examination on the same day every month. How to do a breast examination yourself? Breast self-examination is very easy to do and can be done without any help. To do a breast examination yourself, first of all stand in front of a mirror, remove the clothes from the upper part of the body and place both your hands on your waist. In such a situation, you have to inspect your breasts by looking in the mirror. You should carefully examine any changes in the color, shape, or condition of your breasts and also ensure that there are no lumps, scabs, or lumps on your breasts. Then you have to do the same thing after placing both the hands behind the head. Along with this, you should also check whether there is any kind of discharge from your nipples. You can also examine your breasts while lying on your back. For this, first of all lie down on your back and place your right hand behind your head and place a pillow under your right shoulder. After this, move the upper part of the fingers of your left hand in circular motion from above your right breast to the right armpit. Then repeat this process for your left breast also. The main purpose of this procedure is to detect lumps or dimples in the breast. If during the breast self-examination you notice changes in the color, shape or condition of your breasts, the presence of lumps, crusts or dimples, discharge from the nipples or other If you notice any irregularity, consult your doctor without wasting time.

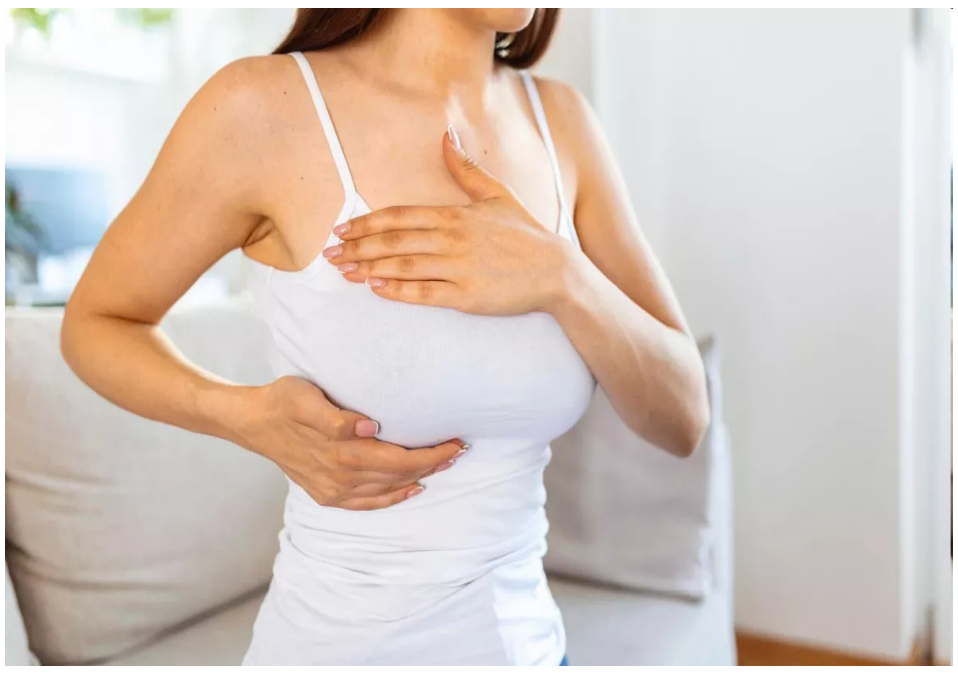

Include lemon in your diet in these ways, you will get many benefits.

Lemon Peel Uses: Consuming lemon rich in Vitamin C has many benefits. Lemon is not only beneficial for our health but it also removes many skin related problems. For this reason, you should consume it in small quantities every day, but do you know that along with lemon, there are many other properties hidden in its peel? Lemon is rich in Vitamin C, which is very beneficial for our health. Apart from lemon, there are many other properties hidden in its peels also. Use lemon peels Lemon with its sour taste ingredients of many of our which is enough to change However, lemon is also weight, maintaining the problem of vomiting this, it is also used in beauty

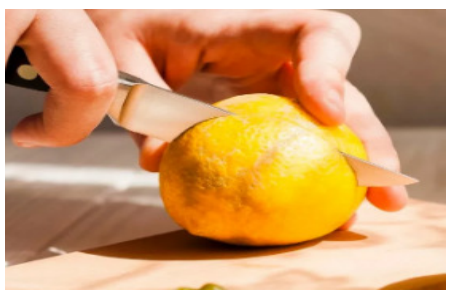

in your diet in these ways. is included in the main dishes. A small amount of the taste and texture of the dish. considered effective in reducing proper digestion and removing while travelling. Apart from treatments. Meaning, not just one, it is beneficial for us in many ways, but after squeezing the lemon, what do you do with its peels? Let's throw it away...If yes, then let us tell you that lemon peels are also a treasure trove of qualities. Vitamins and minerals are also found in lemon peel, so instead of throwing it away, you can use it in these ways. Use lemon peels in these ways Tea- Start your day with lemon tea and stay fit and energetic. For this, do not throw away the lemon peel after using it but make tea from it. For this boil water. For taste, do not add sugar to it, but boil it with a little honey and tea leaves. After this filter and drink. Lemon peel powder- Dry the lemon peels thoroughly in the sun. Then grind it and make powder. Now you can use it in your dishes. However, it can also be used by mixing it with other spices. Lemon Zest – Lemon zest is the most popular way to use the peels. Don't have to do much, just grate the lemon peels. Use it to add fresh taste to salads, yogurt, smoothies, baked food items and cocktails. Lemon peel oil- You can use its peels for salad dressing. For this, just put lemon peel in a vessel and add cooking oil to it. Dressing oil is ready. By the way, you can also use it in cooking.

Magnesium Deficiency Symptoms: Magnesium deficiency can be harmful for the heart, identify it with these symptoms.

Magnesium is very important for our health. Due to its deficiency, many problems can occur in our body. By recognizing some of the symptoms of its deficiency, we can compensate for its deficiency in time. Know what are the symptoms of magnesium deficiency and how it can be compensated. Deficiency diseases can occur due to lack of any nutrient. Magnesium deficiency is called hypomagnesemia. Know the symptoms of its deficiency and its solutions. To remain healthy, it is necessary to have all the nutrients in our body. For this, it is necessary to include

all types of food in the diet, but due to bad eating habits, we often do not eat a balanced diet. Due to this reason we have to face many problems. Therefore, it is important to recognize the symptoms associated with the deficiency of these nutrients. Magnesium is one such nutrient whose deficiency can cause many problems. Let us know what are the symptoms of magnesium deficiency and how to compensate for it. Magnesium deficiency in the body is called hypomagnesemia. There can be many reasons for magnesium deficiency. Its deficiency can occur due to diseases like diabetes, alcohol drinking, chronic diarrhea etc. One reason behind its deficiency could also be not including magnesium-rich food items in the diet. Due to magnesium deficiency, the functioning of the heart, brain, bones and muscles is affected. What are the symptoms of magnesium deficiency? Brain problems: Magnesium is very important for our brain. For the brain to function properly, magnesium must be at the required level. Mental numbness i.e. inability to feel emotions, delirium, stress, depression and anxiety can be a problem. Muscle Cramps- Feeling stretched or twitching in the muscles are common symptoms of magnesium deficiency. It is very important to have magnesium in the body for the functioning of muscles. Fatigue- Magnesium deficiency can be a major reason behind physical and mental fatigue. Due to its deficiency, potassium level in the muscles decreases and one feels tired. High blood pressure- Magnesium deficiency can cause the problem of increased blood pressure. Due to this, heart related problems can also occur. Irregular heartbeats and coronary spasms may also occur. Osteoporosis- Magnesium deficiency can also cause calcium deficiency, which makes the bones weak. Due to this, there is a possibility of bones breaking easily. How to supplement magnesium: Nuts and seeds- Magnesium deficiency is compensated by chicken peas, edamame, cashew nuts, almonds, pumpkin seeds, chia seeds etc. Whole grains- brown rice, quinoa, wheat germ contain good amount of magnesium. Vegetables and fruits – Spinach, banana, okra, broccoli, avocado, turnip and potatoes are rich in magnesium as well as other nutrients.

Cotton saree love of Bollywood actresses, from whom you too can take the idea of looking different.

World Cotton Day 2023 Most of the women are of the opinion about cotton sarees that they do not suit young age girls. These give a slightly aged look. If you also think so, then take a look at the look of these actresses whose love for cotton sarees is not hidden from anyone and

they have rocked their look every time. Cotton sarees give a comfortable and stylish look. It is celebrated every year on 7th October. It's Cotton Day. Tips to carry cotton saree: Saree is a very graceful outfit. The best thing about this outfit is that you can carry it on almost every occasion. From special occasions, saree is also a part of our day to day wear and when it comes to daily wear, here comfort matters more than style. Cotton tops the list of comfortable sarees worn daily. Cotton sarees with different colors and patterns look quite classy. These are a special part of the wardrobe of even Bollywood actresses. From Vidya Balan to Dia Mirza, Konkana Sen, Sonali Kulkarni, these are some of the actresses, who like to wear cotton sarees on most of the events and no doubt, they dominate in this simple look too, then if you feel that It is not at all true that cotton sarees suit only old age women. Next time, wear your cotton sarees boldly, be it a wedding or a party. Vidya is wearing a peach colored cotton saree with red border. Whose combination with striped blouse looks very good. She is looking very beautiful even in this simple look. Be it a day out with friends or a kitty party, you can also try something like this. Kangana RanautKangana is looking beautiful in this white colored cotton saree. Cotton is considered a summer fabric and white is also worn the most during summers. Although white saree with golden border is a traditional saree of Kerala which is worn on special occasions there, but if you want to make your look different from others, then normally you can also choose this option. Konkana Sen: This floral printed saree by Konkana Sen is not only beautiful but also perfect for a day outing. Floral print looks better on white color, so if you are thinking of what to wear for any function during the day, then try something like this. Sonali KulkarniSonali Kulkarni is also one of those Bollywood actresses who are seen in sarees on most occasions and especially handloom ones. On their social media, you can not only get the idea of carrying cotton sarees but can also see what kind of blouse it will be teamed with to give a different look.

There was a rise in the earnings of 'Thank you for coming', it rained notes on the second day

Thank You For Coming Day 2 Collection B Town actress Bhumi Pednekar's latest film Thank

You for Coming has been released in theatres. Fans were eagerly waiting for this movie. In such a situation, this multi-starrer film of Bhumi is present in the theatre. Thanks for Coming has received good response on the first day. In such a situation, the figures of the second day of this movie have also been revealed. The market of discussions about famous Bollywood actress Bhumi Pednekar's film 'Thanks for Coming' has been very hot for a long time. To entertain the fans, Bhumi's multi-starrer film 'Thank You for Coming' has been released in theaters on Friday. Despite being released on limited screens, 'Thank You for Coming' has got a decent response at the box office on the first day of its release. . Meanwhile, the earnings figures of 'Thank You for Coming' have also been revealed on the second day. Let us know in this article how much collection this movie of producer Rhea Kapoor has made on the second day. 'Thank You for Coming' earned so many crores on the second day - Fans have high expectations from 'Thank You for Coming', which made a good start at the box office on the opening day. The makers of the movie have much higher expectations from it. Made under the direction of director Karan Boolani, 'Thanks for Coming' depicts the issue of women's orgasm. Due to the bold content story, this movie will be released on limited 550 screens. Despite this, 'Thanks for Coming' has won by earning Rs 1 crore on the first day. Not only this, Bhumi Pednekar's movie has done wonders on the second day of its release. According to the estimated figures of sacnilk, 'Thanks for Coming' has done a business of around Rs 2 crore at the box office on the second day. However, these earnings figures are estimates at this time. But the way this film has received a response is considered worthy of praise. 'Thank You for Coming' was praised at the Toronto Film Festival - Before the release, the grand premiere of 'Thank You for Coming' was held at the Toronto International Film Festival. . This premiere of Bhumi Pednekar's film received a great response from the audience and foreign media. Apart from Bhumi Pednekar, 'Thank You for Coming' also features actresses Shehnaaz Gill, Shibani Bedi, Dolly Singh, Anil Kapoor and Karan Kundra.

These beauties have appeared on screen as 'witches', the audience's soul trembled after seeing their ferocious style.

All types of films like romantic, drama, action and comedy are liked among the audience. Apart from this, a section of the audience likes to watch horror films. The stars in these films have also played their roles brilliantly. Heroines also did not lag behind in this matter. Actresses, who are often seen in beautiful style in films, have shown amazing acting skills by playing 'witch' and 'ghost' in horror films. the Isha Koppikar - Isha Koppikar's role in film 'Krishna Cottage' was very scary. Isha Koppikar played the role of Atma in this film. Who comes to get her years old love. For this she is ready to do anything. Actress Isha Koppikar's role in this film was quite scary. Malini Sharma - She is the famous witch of Bollywood. Malini Sharma played such a brilliant role of a witch in the superhit film 'Raaz' that it is discussed even today. The film Raaz came in 2002. Bipasha Basu and Dino Morea were in lead roles in this film. If you have seen this film then you will remember Malini's scary screams. Anushka Sharma - Famous Bollywood actress Anushka Sharma's 'Pari' is also a very good horror film. Anushka Sharma's role in this film was worth watching. Anushka surprised everyone by playing the role of 'witch'. If you have not seen this film, then you can watch it on the OTT platform Amazon Prime Video. Bipasha Basu - She is one of those Bollywood actresses, who has made headlines by acting in many horror films, but Bipasha Basu's witch The most talked about look is that of the 2015 film Alone. Kareena Kapoor - Actress Kareena Kapoor is also in this list. Kareena played the role of 'witch' in the film 'Talaash'. Actor Aamir Khan was in the lead role with her in this film.

These Bollywood stars are owners of luxurious bars and restaurants, their business has spread from India to abroad.

Bollywood stars are not earning money just by doing excellent work in the field of acting. Rather, these celebs are securing their future by investing money in one business after another. Stars have invested money in everything from production houses to clothing brands and beauty products. Also, there are some famous personalities who have invested good money in restaurants. This restaurant is also very popular among fans. Not only in Mumbai but also in Delhi and abroad, celebs have opened their restaurants. Mouni Roy, who has proven her acting skills from TV to silver screen, has now become the owner of a restaurant. Mouni has recently opened a restaurant named Badmaash in Mumbai. This restaurant is known for Indian dishes and cocktails. 'Badmaash' is a new multi-outlet restaurant chain owned by Bengaluru-based entrepreneur Don Thomas. Mouni is the co-owner of 'Badmaash' which started in Andheri, Mumbai. The He-Man of Bollywood Industry i.e. Dharmendra is also the owner of a luxurious restaurant. Dharmendra, who has made a special place in the industry on the basis of his work, has a restaurant in Delhi. Its name is 'Garam Dharam'. The setting of the restaurant is like a village hut. Also, the walls are decorated with posters of Dharmendra's films with his best dialogues. The unique look of the restaurant is its specialty. Besides, its local food is also very excellent. Priyanka Chopra, who has become a global icon, is investing money in one business after another. Priyanka Chopra, a desi at heart, is keeping her desi dreams alive even after living abroad. The actress has opened a restaurant named 'Sona' in New York. Almost all Indian dishes are available in this restaurant. Priyanka is also seen here from time to time enjoying Pani Puri and Chote Bhature. Even though Arjun Rampal is seen in very few films today, despite this he is still earning good money. The actor inaugurated 'Lap the Lounge' in the year 2009, which is located in Chanakyapuri, Delhi. The great ambiance and perfect interior of this lounge bar makes it luxurious. Sunil Shetty is the owner of 'Mischief Restaurant' and 'Bar H20' located in Mumbai. Both these restaurants are very popular among fans as well as celebs. Many famous personalities from the industry are seen hanging out in this restaurant from time to time. 'Nueva Bar', located in Delhi, is owned by the Bollywood actress and her cricketer husband Virat Kohli. This luxurious restaurant serves French, Portuguese, Asian, Japanese and Spanish dishes. The